website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 339 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 15 नवम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

7 राज्यों में 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव

-राजस्थान के अंता में कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया 15,594 वोटों से जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर हाल ही में हुए उपचुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) के प्रमोद जैन भाया ने शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी मोरपाल सुमन को लगभग 15,594 वोटों से मात दी है। इस सीट पर एक त्रिकोणीय मुकाबला रहा जिसमें निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा भी मुख्य भूमिका निभा गए।

उपचुनाव क्यों हुआ?-

अंता सीट पर यह उपचुनाव इसलिए हुआ क्योंकि पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा (भाजपा) को 2005 के एक मामले में दोषी पाये जाने के बाद विधानसभा सदस्यता से बर्खास्त कर दिया गया था। इसके चलते यह सीट रिक्त हो गई और 11 नवंबर 2025 को मतदान हुआ।

मतदान एवं प्रमुख आंकड़े

इस उपचुनाव में करीब 80% से अधिक मतदान हुआ था — जो कि पिछली बार की तुलना में एक बड़ी वृद्धि है। मतगणना 14 नवंबर 2025 को कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच शुरू हुई। शुरुआत में पोस्टल बैलेट में भाजपा को बढ़त मिली थी, लेकिन ईवीएम वोटों की गिनती में कांग्रेस ने बढ़त बना ली।

मुख्य प्रतिद्वंद्वी और उनका प्रदर्शन-

कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया — विजेता उम्मीदवार। भाजपा के मोरपाल सुमन — पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के करीबी माने जाते हैं। निर्दलीय नरेश मीणा — स्थानीय दबदबे के कारण तीसरे नंबर पर आए।

क्या रहा जीत-की थीम?-

भाजपा की प्रभावशाली हस्ती वसुंधरा राजे ने इस सीट पर मोरपाल सुमन की जीत के लिए जोरदार प्रचार किया था, इसे उन्होंने "जनबल बनाम धनबल" की लड़ाई कहा था। कांग्रेस ने प्रतिद्वंद्वी की कमियों को खुलेआम उठाया — भाजपा उम्मीदवार पीछे क्यों रहे, स्थानीय समस्या-सेटिंग क्या थी — इन पर भी चुनावी माहौल बना। तीसरे विकल्प (नरेश मीणा) ने भाजपा के वोट बैंक को कुछ मात्रा में तोड़ा, जिससे भाजपा के लिए यह सीट आसान नहीं रही।

राजनीति में क्या संदेश गया?

यह परिणाम भाजपा के लिए एक झटका माना जा रहा है क्योंकि यह सीट पारंपरिक रूप से भाजपा-प्रभावीत मानी जाती थी। कांग्रेस के लिए यह जीत हौसला बढ़ाने वाली है — विशेष रूप से राजस्थान में आगामी राजनीतिक लम्बी लड़ाई के संदर्भ में। यह बात सामने आई है कि स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार की स्वीकार्यता, और मतदान प्रतिशत किसी सीट पर किसका पलड़ा भारी होगा, यह तय कर सकते हैं — सिर्फ बड़े दल-प्रचार से नहीं।

आगे क्या देखने योग्य होगा?-

इस जीत का असर राजस्थान की राजनीतिक दिशा-रेखा पर क्या होगा — विशेष रूप से 2028 विधानसभा चुनाव से पहले। भाजपा द्वारा इस हार के बाद अपनी रणनीति में बदलाव करेगी या नहीं — विशेष रूप से उन जिलों में जहाँ उनका प्रभाव मजबूत रहा है। कांग्रेस इस जीत को कैसे आगे बढ़ाएगी — क्या यह सिर्फ एक सीट की जीत है या उसकी रणनीति को मजबूती मिलेगी। निर्वाचित विधायक प्रमोद जैन भाया द्वारा क्षेत्रीय विकास, स्थानीय समस्याओं के समाधान और पार्टी प्रतिबद्धताओं को कितनी जल्दी लागू किया जाएगा — यह स्थानीय जनता के लिए अहम होगा। यह उपचुनाव कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि अंता सीट लंबे समय से भाजपा का गढ़ मानी जाती थी। लेकिन इस बार कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया ने न केवल बढ़त बनाई, बल्कि हर राउंड में अपना अंतर भी बढ़ाते गए। स्थानीय मुद्दों, किसानों की परेशानियों, बेरोजगारी और क्षेत्रीय विकास में पिछड़ाव जैसे विषयों ने मतदाताओं को सीधे प्रभावित किया। वहीं भाजपा का पारंपरिक वोट बैंक इस बार पूरी तरह एकजुट नहीं दिखा, जिसका नुकसान मोरपाल सुमन को उठाना पड़ा। निर्दलीय नरेश मीणा को मिले वोट भी परिणाम को प्रभावित करने वाले रहे। इस जीत से कांग्रेस का मनोबल और मजबूत हुआ है।

कांग्रेस का बदलता वैचारिक रुख

-शशि थरूर बोले—पार्टी पहले से ज्यादा वामपंथी होती जा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने गुरुवार को हैदराबाद में आयोजित ज्योति कोमिरेड्डी मेमोरियल लेक्चर में बयान दिया कि बीते कुछ वर्षों में कांग्रेस पार्टी का राजनीतिक रुख पहले की तुलना में अधिक वामपंथी (Left-leaning) होता जा रहा है। थरूर के इस बयान ने राष्ट्रीय राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है कि क्या कांग्रेस सचमुच अपनी विचारधारा को पुनर्परिभाषित कर रही है या फिर यह केवल भाजपा की राजनीतिक शैली का जवाब देने की सोची-समझी रणनीति है।

भाजपा के खिलाफ वैचारिक जवाब के रूप में बदलाव-

थरूर ने कहा कि कांग्रेस में जो वैचारिक झुकाव आज दिखाई दे रहा है, वह भाजपा की "विभाजनकारी राजनीति" का जवाब है। उनके अनुसार, भाजपा जिस प्रकार सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और पहचान-आधारित राजनीति को आगे बढ़ा रही है, उसके मुकाबले में कांग्रेस अपने आप को कल्याणकारी राज्य, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और समावेशी राजनीति की ओर अधिक मुखर रूप से ले जा रही है। थरूर के शब्दों में, पार्टी का यह रुख पूरी तरह "रणनीतिक" है ताकि वह वर्तमान राजनीतिक माहौल में अपने लिए स्पष्ट स्थान तैयार कर सके।

मनमोहन सिंह के दौर से तुलना-

शशि थरूर ने विशेष रूप से यह भी कहा कि मनमोहन सिंह के कार्यकाल में कांग्रेस का रुख काफी हद तक मध्यमार्गी (centrist) था। उन्होंने याद दिलाया कि मनमोहन सिंह की सरकार ने कई ऐसी आर्थिक-प्रशासनिक नीतियां अपनाई थीं, जिनकी नींव पहले की भाजपा सरकारों में रखी गई थी।

उदाहरण के तौर पर— आर्थिक उदारीकरण की निरंतरता, विदेशी निवेश को प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचे में निजी भागीदारी, और बाज़ार आधारित सुधार— ये सभी नीति क्षेत्र उस समय की कांग्रेस सरकार द्वारा भी आगे बढ़ाए गए थे। थरूर के अनुसार, यह एक "व्यावहारिक" और "तटस्थ" राजनीति का दौर था, जबकि वर्तमान कांग्रेस ज्यादा विचारधारात्मक मुद्रा में दिखाई देती है।

आज की कांग्रेस: कल्याण, समानता और सामाजिक न्याय पर जोर-

थरूर का कहना था कि आज की कांग्रेस उन मुद्दों पर अधिक आक्रामक है, जो पारंपरिक रूप से वामपंथी राजनीति से जुड़े रहे हैं—जैसे कि आर्थिक असमानता, कमजोर तबकों के अधिकार, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार, निजी कंपनियों के बढ़ते प्रभाव पर निगरानी। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी का यह रुख सिर्फ चुनावी हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और वैचारिक स्तर पर भी इसका असर दिख रहा है।

RSS पर विदेशी लॉबिंग फर्म का आरोप: कांग्रेस-RSS के बीच नई सियासी टकराव

-कांग्रेस का दावा– RSS ने पाकिस्तानी लिंक वाली फर्म हायर की; संघ बोला– आरोप बेबुनियाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर एक बार फिर तेज हो गया है। गुरुवार को कांग्रेस ने दावा किया कि RSS के लिए पाकिस्तान से जुड़ी एक आधिकारिक लॉबिंग कंपनी अमेरिका में काम कर रही है और उसे संघ के हितों की पैरवी करने के लिए हायर किया गया है। कांग्रेस के आरोप ने सियासी हलकों में नई बहस को जन्म दिया है, जबकि RSS ने इस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

कांग्रेस का दावा—पाकिस्तानी कनेक्शन वाली लॉबिंग कंपनी RSS के लिए सक्रिय-

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट में कहा कि कुछ दिन पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने खुद स्वीकार किया था कि RSS एक रजिस्टर्ड संगठन नहीं है और न ही वह टैक्स देता है। लेकिन अब सामने आया है कि संघ ने बड़ी धनराशि खर्च कर अमेरिकी लॉ फर्म स्क्वायर पैटर्न बॉक्स (SPB) को हायर किया है। जयराम रमेश का आरोप है कि यह वही लॉबिंग कंपनी है जिसके पाकिस्तान सरकार के साथ भी आधिकारिक संबंध और अनुबंध हैं। कांग्रेस के मुताबिक यह स्थिति गंभीर है, क्योंकि इससे यह सवाल उठता है कि आखिर RSS जैसी संस्था को अपने हितों की पैरवी करवाने के लिए एक ऐसी फर्म की ज़रूरत क्यों पड़ी, जिसका संबंध पाकिस्तान सरकार से भी रहा है। कांग्रेस ने कहा कि यदि RSS देशहित में काम करने का दावा करता है, तो उसे ये बताना चाहिए कि एक विदेशी, और वह भी पाकिस्तान से जुड़े नेटवर्क वाली, लॉबिंग कंपनी की सेवाएं लेने की क्या मजबूरी है। पार्टी का आरोप है कि यह मामला पारदर्शिता और राजनीतिक-वैचारिक ईमानदारी का है और देश को इस पर स्पष्ट जवाब मिलना चाहिए।

जयराम रमेश सुनील आंबेकर

RSS का पलटवार—अमेरिका में कोई लॉबिंग फर्म हायर नहीं की-

कांग्रेस के आरोपों पर RSS की ओर से तत्काल प्रतिक्रिया आई। राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बयान जारी किया कि RSS पूरी तरह भारतीय संगठन है और भारत में ही काम करता है। उन्होंने कहा कि संघ ने अमेरिका में किसी भी लॉबिंग फर्म को हायर नहीं किया है और कांग्रेस के आरोप पूरी तरह निराधार एवं भ्रामक हैं।

आंबेकर ने कहा कि RSS की कार्यशैली सार्वजनिक है और उसके स्वयंसेवक दुनियाभर में समाजसेवा व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से काम करते हैं, लेकिन किसी प्रकार की लॉबिंग या विदेशी फर्म से अनुबंध संघ के सिद्धांतों के खिलाफ है।

ट्रम्प से रिश्ते सुधारने के लिए पाकिस्तान ने करोड़ों खर्चे

-कभी धोखेबाज कहा, अब 'फेवरेट फील्ड मार्शल' बना दिया

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की दूसरी टर्म में पाकिस्तान और अमेरिका के रिश्तों में अचानक आई गर्माहट कई सवाल खड़े कर रही है।

वह ट्रम्प, जिन्होंने अपनी पहली सरकार में पाकिस्तान को "झूठ और धोखे से भरा देश" कहा था, आज उसी पाकिस्तान के आर्मी चीफ को अपना "फेवरेट फील्ड मार्शल" बताते नजर आ रहे हैं। इस बदलाव के पीछे तगड़ी लॉबिंग और करोड़ों की लागत सामने आई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने अप्रैल और मई 2025 में वॉशिंगटन की कई प्रभावशाली लॉबिंग फर्मों से करीब 5 मिलियन डॉलर (लगभग 42 करोड़ रुपए) के बड़े कॉन्ट्रैक्ट किए। इसका मकसद था— ट्रम्प प्रशासन को नरम करना, पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारना और दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तालमेल बढ़ाना।

पाकिस्तान ने ट्रम्प को अपने पक्ष में करने के लिए रणनीतिक तरीके भी अपनाए। भारत-पाक तनाव कम होने का क्रेडिट सीधा ट्रम्प को दिया गया और इसके बाद उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया। यह कदम ट्रम्प को बेहद पसंद आया। दूसरी तरफ, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रम्प को इस मामले का क्रेडिट देने से इनकार कर दिया, जिसके कारण ट्रम्प की नाराज़गी भारत की ओर बढ़ती दिखी—और पाकिस्तान को इसका सीधा फायदा मिला। इसके साथ-साथ पाकिस्तानी सरकार ने 500 मिलियन डॉलर की मिनरल एक्सट्रैक्शन डील अमेरिका के साथ साइन की और अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले।

SIR अभियान के 9 दिन: 12 राज्यों में 42 करोड़ फॉर्म वितरित

-बंगाल में विरोध के बावजूद तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) अभियान के दूसरे दौर को शुरू हुए 9 दिन हो चुके हैं। इस बीच चुनाव आयोग ने गुरुवार को बताया कि 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 42 करोड़ फॉर्म मतदाताओं के घरों तक पहुंचाए जा चुके हैं। यह कुल निर्धारित 50.99 करोड़ फॉर्म का लगभग 82.71% है। आयोग के अनुसार, इस बार SIR का दायरा बड़ा है और मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

बंगाल में विरोध के बावजूद तेजी-

पश्चिम बंगाल SIR विरोध का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है। तृणमूल कांग्रेस लगातार आरोप लगा रही है कि संशोधन अभियान राजनीतिक दबाव में चल रहा है और इसका फायदा विपक्ष को मिल सकता है। टीएमसी ने दावा किया है कि SIR से जुड़ी हिंसक घटनाओं में अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही, पार्टी का आरोप है कि चुनाव आयोग ने बूथ लेवल एजेंट (BLA) की नियुक्ति के नियम बदल दिए हैं, जिससे जमीनी स्तर पर विवाद बढ़ गया है। हालांकि चुनाव आयोग इन आरोपों को सिरे से खारिज करता है। आयोग का कहना है कि बंगाल में फॉर्म वितरण तेज़ी से हो रहा है और अब तक 93% फॉर्म मतदाताओं तक पहुंच चुके हैं। यह आंकड़ा गुजरात (94%) और राजस्थान (86%) की तुलना में भी काफी ऊपर है।

कहीं धीमी गति, कहीं रफ्तार-

फॉर्म वितरण की रफ्तार राज्यों में अलग-अलग दिख रही है। गुजरात में अभियान लगभग पूरा होने की कगार पर है और 94% फॉर्म बांटे जा चुके हैं। राजस्थान में यह आंकड़ा 86% के करीब है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में काम की रफ्तार धीमी बताई जा रही है और एक बड़ा हिस्सा अभी बाकी है। आयोग ने माना है कि कुछ राज्यों में मतदाताओं का रिकॉर्ड ट्रेस करने में दिक्कतें आ रही हैं। कई जगहों पर पुराने पते, अधूरी जानकारी, अपूर्ण दस्तावेज और तकनीकी खामियों के कारण बीएलओ के लिए फॉर्म सही घरों तक पहुंचाना चुनौती बन रहा है।

4 नवंबर को शुरू हुआ था दूसरा दौर-

SIR का दूसरा चरण 4 नवंबर को शुरू हुआ था। इस प्रक्रिया के तहत बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) घर-घर जाकर स्पेसिफिक इन्युमरेशन फॉर्म बांटते हैं। इन फॉर्म्स के जरिए मतदाता अपने पते, उम्र, नाम और जरूरी सुधार दर्ज कर सकते हैं। अभियान पूरा होने के बाद अंतिम मतदाता सूची तैयार की जाएगी। लोकसभा चुनावों में किसी प्रकार की गड़बड़ी न रहे।

पाक सुप्रीम कोर्ट बागी: आर्मी चीफ मुनीर के खिलाफ दो जजों का इस्तीफा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में 27वें संविधान संशोधन को लेकर सुप्रीम कोर्ट और सेना के बीच तनाव खुलकर सामने आ गया है। इस विवाद ने तब नया मोड़ ले लिया, जब सुप्रीम कोर्ट के दो सीनियर जज—जस्टिस मंसूर अली शाह और जस्टिस अतहर मिनल्लाह—ने अचानक इस्तीफा दे दिया। दोनों जजों ने अपने इस्तीफे में साफ कहा कि आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर को कानूनी कार्रवाई से सुरक्षा देना और उन्हें "डिफेंस चीफ" बनाना संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। दोनों जजों का आरोप है कि 27वें संशोधन के जरिए सेना प्रमुख को असीमित शक्तियां देकर लोकतंत्र के अन्य स्तंभों—न्यायपालिका, संसद और सिविल प्रशासन—को कमजोर किया जा रहा है। संशोधन के बाद मुनीर न सिर्फ पाक आर्मी के चीफ हैं, बल्कि तीनों सेनाओं के सुपर कमांडर यानी डिफेंस चीफ बन चुके हैं। इसके परिणामस्वरूप उनके खिलाफ किसी भी तरह की FIR या केस दर्ज नहीं हो सकता। यही नहीं, सुप्रीम कोर्ट की कई अहम शक्तियों को राष्ट्रपति के अधीन कर दिया गया है, जिससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। सूत्रों के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के दो—तीन और जज भी इस्तीफा देने की तैयारी में हैं। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में कुल 16 जजों की स्वीकृत संख्या है, जिनमें से 9 पद पहले से खाली थे।

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद पहली बार चुनाव का ऐलान

-हसीना पर फैसला 4 दिन बाद

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में पिछले साल अगस्त में हुए तख्तापलट के डेढ़ साल बाद अब लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली की ओर कदम बढ़ गया है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने देश को संबोधित करते हुए बताया कि अगले साल फरवरी में, 15 तारीख से पहले संसदीय चुनाव कराए जाएंगे। यह घोषणा ऐसे समय पर हुई है जब देश का राजनीतिक माहौल बेहद तनावपूर्ण है और सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पिछले डेढ़ वर्ष से देश अंतरिम सरकार के हाथों में है। तख्तापलट के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना देश छोड़कर चली गई थीं और उन पर कई गंभीर मामलों में मुकदमे चल रहे हैं। इसी बीच गुरुवार को बड़ी कानूनी कार्रवाई देखने को मिली। ढाका की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (ICT) ने यह ऐलान किया कि 17 नवंबर, सोमवार को हसीना के खिलाफ दर्ज मानवता के खिलाफ अपराध मामले में अपना फैसला सुनाया जाएगा। फैसले की तारीख घोषित होते ही ढाका में सुरक्षा कड़ी कर दी गई। ICT परिसर और आसपास के इलाकों में पुलिस तथा रैपिड एक्शन बटालियन की तैनाती बढ़ा दी गई। अवामी लीग ने फैसले के विरोध में लॉकडाउन का आह्वान किया था।

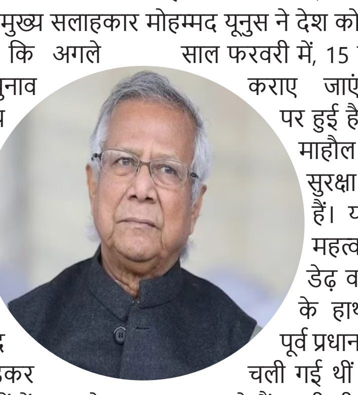

दिल्ली ब्लास्ट की बड़ी कार्रवाई: कश्मीर में आतंकी उमर नबी का घर ध्वस्त

-500 ठिकानों पर छापे; 600 से ज्यादा लोग हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 10 नवंबर को हुए बम धमाके ने देश को एक बार फिर दहला दिया। इस ब्लास्ट में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है और 20 से अधिक घायल हैं, जिनमें से तीन की हालत अभी भी नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद से सुरक्षा एजेंसियां और केंद्रीय खुफिया इकाइयाँ लगातार इस मामले में कार्रवाई कर रही हैं। गुरुवार रात कश्मीर में हुई एक बड़ी कार्रवाई ने इस केस को और गंभीर बना दिया।

डॉ. उमर नबी

पुलवामा में आतंकी डॉ. उमर नबी का घर IED से उड़ाया गया-

गुरुवार रात सुरक्षा बलों ने पुलवामा के कोइल इलाके में आतंकी डॉ. उमर नबी के घर को IED ब्लास्ट करके ध्वस्त कर दिया। सुरक्षा एजेंसियों को लंबे समय से शक था कि दिल्ली ब्लास्ट के पीछे उसी का हाथ है।

गुरुवार को ही DNA मैचिंग रिपोर्ट आई, जिसमें यह पुष्टि हो गई कि दिल्ली में जिस कार में धमाका हुआ था, उसमें मौजूद शव उसी का था। यानी कार में पाया गया शरीर उमर नबी का ही था। उमर पुलवामा का रहने वाला था और हाल के महीनों में उसकी गतिविधियाँ कई बार खुफिया एजेंसियों के रडार पर आई थीं। माना जा रहा है कि आतंकियों के इस नए मॉड्यूल में वह एक प्रमुख प्लानर की भूमिका निभा रहा था। उसके माता-पिता और भाइयों को सुरक्षा एजेंसियों ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है ताकि उसके नेटवर्क और संभावित सहयोगियों का पता लगाया जा सके।

कश्मीर में धमाकेदार सर्च ऑपरेशन: 500 लोकेशन पर छापे, 600 से ज्यादा लोग हिरासत में-

दिल्ली ब्लास्ट के बाद कश्मीर घाटी में सुरक्षा एजेंसियों ने सबसे बड़े ऑपरेशनों में से एक चलाया है। पिछले तीन दिनों में: 500 जगहों पर सर्च ऑपरेशन, 600 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया गया, सैकड़ों जगह डिजिटल डिवाइस, मोबाइल, दस्तावेज़ और संदिग्ध सामग्री जब्त, सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, यह नेटवर्क इतना बड़ा और फैला हुआ था कि आतंकियों की तलाश के लिए व्यापक ऑपरेशन चलाना जरूरी था। हिरासत में लिए गए लोगों में कई ओवरग्राउंड वर्कर, संदिग्ध वित्तीय मददगार, और पूर्व आतंकी सहयोगी शामिल हैं।

8 गिरफ्तार आतंकियों ने खोली साजिश की परतें-

खुफिया एजेंसियों की पूछताछ में अब तक गिरफ्तार 8 आतंकियों ने कई बड़े खुलासे किए हैं। उनके अनुसार: 6 दिसंबर को, यानी बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर, दिल्ली समेत देश के कई बड़े शहरों में धमाकों की योजना थी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

अमेजन में 1 लाख पेड़ों की कटाई: पर्यावरण संरक्षण के नाम पर बढ़ता पाखंड

पर्यावरण बचाने के लिए संवेदनाएं भी जरूरी हैं। ब्राजील के बेलेम शहर में होने वाले कॉप-30 जलवायु सम्मेलन से ठीक पहले अमेजन के जंगलों में 1,00,000 पेड़ काटे जाने की खबर न सिर्फ चौंकाती है, बल्कि यह हमारे पर्यावरणीय विवेक और ईमानदारी पर गंभीर सवाल खड़ा करती है। यह विडंबना ही है कि जिस सम्मेलन का उद्देश्य धरती को बचाना, जलवायु परिवर्तन को रोकना और हरियाली बढ़ाना है, उसी सम्मेलन की तैयारियों में प्रकृति को इतनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। यह घटना मानो हमें आईना दिखाती है कि इंसान की सोच और कार्य में कितना गहरा विरोधाभास मौजूद है। अमेजन को दुनिया भर में 'धरती के फेफड़े' के रूप में जाना जाता है, क्योंकि यह विशाल वन हर साल अरबों टन कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर हमारे वातावरण को संतुलित रखते हैं। ऐसे जंगलों में बेतहाशा पेड़ों की कटाई सिर्फ पर्यावरण के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह मानवता के लिए चेतावनी है कि यदि हमने अपने लालच को नियंत्रित नहीं किया, तो धरती हमारे अस्तित्व को ही चुनौती देने लगेगी। कॉप सम्मेलन का मूल उद्देश्य दुनिया के देशों को एक मंच पर लाकर जलवायु संकट पर सामूहिक रणनीति तैयार करना है। यह सम्मेलन उम्मीद दिलाता है कि वैश्विक स्तर पर नीतियां बदली जाएंगी, प्रदूषण कम करने के लक्ष्य तय होंगे और पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों को बचाने की दिशा में नए कदम उठेंगे। लेकिन प्रश्न यह है कि जब ऐसे आयोजन की शुरुआत ही प्रकृति को नुकसान पहुंचाकर की जाए, तो उसके संदेश की विश्वसनीयता कितनी रह जाती है? यह सोचने वाली बात है कि पर्यावरण के नाम पर होने वाली बैठकों में लाखों डॉलर खर्च किए जाते हैं, लेकिन प्रकृति के लिए सबसे मूलभूत कदम—पेड़ों की सुरक्षा—अक्सर नजरअंदाज कर दी जाती है। एक लाख पेड़ काट देना कोई साधारण घटना नहीं। एक पेड़ को पौधे से विशाल रूप लेने में कम से कम 15 से 20 वर्ष लगते हैं। इतने वर्षों में वह पेड़ न सिर्फ हवा में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाता है, बल्कि मृदा को समृद्ध करता है, वन्य जीवों को आश्रय देता है और वातावरण में नमी बनाए रखता है। इसे दोबारा लगाने में समय तो लगेगा ही, लेकिन उस अवधि में जो पर्यावरणीय क्षति होगी, उसकी भरपाई संभव नहीं है। पेड़ सिर्फ लकड़ी या जमीन खाली करने की वस्तु नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व की गारंटी हैं। आज हम आधुनिकता, विकास और सुविधाओं के नाम पर पेड़ों से दूरी बनाते जा रहे हैं, लेकिन यही दूरी आने वाले समय में जीवन को संकट में डाल सकती है। यह घटना हमें एक कड़ा संदेश देती है कि पर्यावरण संरक्षण किसी सम्मेलन, घोषणा या भाषण का विषय नहीं है। यह हमारे जीवन की अनिवार्य जिम्मेदारी है। जब तक हमारी नीतियों, योजनाओं और जीवनशैली में वास्तविक बदलाव नहीं आएगा, तब तक नेट-जीरो लक्ष्य महज कागजी दावे बने रहेंगे।

दिल्ली बम विस्फोट : तकनीक और विचारधारा के गठजोड़ से उभरता जिहादी नेटवर्क, आतंक के खिलाफ लड़ाई पूरे राष्ट्र का सामूहिक संघर्ष

-सोशल मीडिया और तकनीक आधारित कट्टरपंथ ने डॉक्टर जैसे पेशेवरों को भी जाल में फंसाया

दिल्ली में लाल किले के समीप हुआ हालिया बम विस्फोट केवल एक सुरक्षा घटना नहीं, बल्कि एक भयावह चेतावनी है—यह बताने के लिए कि आतंकवाद आज किस नए रूप में हमारे सामने खड़ा है। यह आतंकी हमला साबित करता है कि खतरा अब पारंपरिक सीमाओं से निकलकर हमारे समाज, हमारे ही शिक्षित और पेशेवर वर्ग की परतों में घुसपैठ कर चुका है। यह चुनौती कहीं अधिक गहरी, कहीं अधिक सूक्ष्म और कहीं अधिक खतरनाक बन चुकी है। पहले आतंकवाद का चेहरा पहचाना जा सकता था—सीमा-पार से भेजे गए प्रशिक्षित लड़ाके, हथियारों की तस्करी, छिपे ठिकाने और गुप्त घुसपैठ। लेकिन अब आतंक का यह पुराना फॉर्मेट बदल चुका है। आज का चरमपंथ बंदूकों के साथ-साथ विचारधारा, डिजिटल तकनीक, सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रोपेगेंडा, और शिक्षा की आड़ लेकर सामने आता है। दिल्ली में हुए इस विस्फोट की जांच के प्रारंभिक निष्कर्ष बताते हैं कि एक संगठित आतंकी नेटवर्क ने शहर के भीतर ही पढ़े-लिखे पेशेवर युवाओं को अपने जाल में फंसाया, उनकी सोच बदली, और उन्हें ऐसी राह पर धकेल दिया जहां वे अपने ही देश के खिलाफ हथियार उठाने को तैयार हो गए। यह स्थिति केवल खतरनाक नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने पर एक गहरी चोट है।

शिक्षित युवा और चरमपंथ का गठजोड़—नई चुनौती का सबसे भयावह पहलू

इस मामले की सबसे विचलित कर देने वाली बात यह है कि इस साजिश में शामिल कुछ लोग चिकित्सक थे—वह वर्ग जिसे समाज जीवन रक्षक, सेवा और मानवता का प्रतीक मानता है। जिन हाथों को जिंदा इंसानों की नब्ज़ पहचाननी चाहिए, वे हाथ जिहादी नेटवर्क की हिंसा, नफ़रत और

विनाश का हिस्सा बन बैठे। ये वही युवा थे जो विज्ञान और चिकित्सा की पढ़ाई कर रहे थे, जिनकी शिक्षा उन्हें तार्किक, विवेकशील और मानवीय बनाती है। लेकिन सोशल मीडिया, कट्टरपंथी विचारों और पाकिस्तान-स्थित आतंकी संगठनों की डिजिटल रणनीतियों ने इनके भीतर धीरे-धीरे ऐसा जहर भरा कि 'सेवा' का धर्म 'विनाश' के कर्म में बदल गया।

जांच एजेंसियों के पास उपलब्ध डिजिटल सबूत— मोबाइल चैट, एन्क्रिप्टेड ऐप्स पर बातचीत, सीसीटीवी लोकेशन मूवमेंट, ऑनलाइन सर्च हिस्ट्री, वैचारिक वीडियो और भर्ती सामग्री— स्पष्ट संकेत देते हैं कि यह कोई अचानक लिया गया निर्णय नहीं था। यह संगठित ब्रेनवॉशिंग का परिणाम था, जो महीनों नहीं, बल्कि वर्षों से चल रही थी।

सोशल मीडिया अभियान और 'जिहादी गौरव' का भ्रम

वर्तमान दौर में सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि विचारधारा निर्माण की सबसे शक्तिशाली प्रयोगशाला बन चुका है। जिहादी संगठनों ने इस प्रयोगशाला को बेहद कुशलता से इस्तेमाल किया है। उनकी रणनीति सरल लेकिन बेहद प्रभावी है— कुछ स्थानीय मुद्दों को धार्मिक चश्मे से दिखाना, युवाओं में 'पीड़ित होने' का भाव भरना, पहचान (Identity) का मुद्दा उछालना, झूठे या तोड़े-मरोड़े तथ्य शेयर करना, वीरता और 'धर्मरक्षक' बनने का भ्रम पैदा करना, और अंत मे—संगठन से जुड़ने को 'जन्नत' जैसा लक्ष्य बताना। इन्हीं डिजिटल अभियानों की वजह से कई शिक्षित युवा, सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे छात्र, इंजीनियरिंग और मेडिकल पृष्ठभूमि के लड़के-लड़कियां तक प्रभावित हो रहे हैं। दिल्ली धमाके में शामिल चिकित्सकों के मन में भी इसी तरह का 'जिहादी गौरव' पैदा किया गया— उन्हें बताया गया कि वे किसी 'पवित्र मिशन' का हिस्सा हैं, भारत का हर कदम 'उनके धर्म' के खिलाफ है (जबकि यह सिर्फ प्रचार है), और पाकिस्तान के संगठनों द्वारा साझा किए गए संपादित वीडियो, 'धर्म रक्षक' कहानियां, और लड़ाई के रोमांटिक क्लिप्स ने उन्हें मानसिक रूप से बाहरी दुनिया से काट दिया। यह पूरा प्रोसेस एक डिजिटल कट्टरपंथीकरण है— धीरे-धीरे जहरीला, लेकिन बेहद असरदार।

जैश-ए-मोहम्मद की भूमिका: 'ऑपरेशन सिंदूर' का बदला

जांच एजेंसियों के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद भारत के भीतर बड़े आतंकी हमलों की योजना लगातार बना रहा था।

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय एजेंसियों द्वारा बहावलपुर स्थित जैश के प्रशिक्षण केंद्रों पर किए गए प्रहार से पाकिस्तान में बैठे आतंकी नेतृत्व को गहरा नुकसान हुआ। यही कारण है कि जैश-ए-मोहम्मद अब प्रतिशोध की मंशा से भारत में नई रणनीति अपना रहा है— स्थानीय नेटवर्क तैयार करना, ऑनलाइन भर्ती, शिक्षित युवाओं को लक्ष्य बनाना, और डिजिटल प्लेटफॉर्म से वैचारिक जंग छेड़ना। यह नई रणनीति पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के समर्थन से चलाई जा रही है। आईएसआई की एक विशेष इकाई—जो अफगानिस्तान और भारत के खिलाफ मनोवैज्ञानिक युद्ध (Psychological Warfare) में विशेषज्ञ मानी जाती है—युवाओं के लिए नकली ऑनलाइन मंच, 'गोपनीय चैट कम्युनिटी', और छद्म सोशल मीडिया अकाउंट बनाती है। इन मंचों पर— धार्मिक मुद्दों को उछाला जाता है, वीडियो के जरिए भावनाएं भड़काई जाती हैं, फर्जी रिपोर्ट्स डाली जाती हैं, भारत सरकार को गलत साबित करने की कोशिश होती है। कई बार ऐसा भी पाया गया कि ये मंच वास्तव में पाकिस्तान में बैठे ऑपरेटिव चलाते हैं, लेकिन यूज़रनेम ऐसे रखते हैं ताकि लगे कि भारत के भीतर ही कोई 'समान विचारधारा वाला' व्यक्ति बात कर रहा है।

डिजिटल आतंकवाद—कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) नया हथियार

पहले आतंक का प्रमुख हथियार AK-47 या RDX हुआ करता था, लेकिन आज AI आधारित टूल्स ने दहशतगर्दी का चेहरा बदल दिया है— डीपफेक वीडियो, फर्जी न्यूज रिपोर्ट्स, नकली फोटो प्रोपेगेंडा, बॉट-चालित अभियान, और Chat आधारित कट्टरपंथीकरण। जांच टीमों को पता चला है कि दिल्ली के इस मॉड्यूल को प्रशिक्षित करने के लिए जैश के डिजिटल ऑपरेटिव्स ने AI टूल्स का पूरा इस्तेमाल किया। उन्हें एन्क्रिप्टेड ग्रुप में गाइडलाइंस भेजी जाती थीं। फर्जी VPN सर्वर की जानकारी दी जाती थी। लोकेशन मास्किंग के तरीके सिखाए जाते थे। और 'शहीद' होने की मनोवैज्ञानिक ट्रेनिंग दी जाती थी। ये सभी तकनीकें इंटरनेट पर फैले उस नए Hybrid Jihad का हिस्सा हैं, जिसका मुकाबला केवल पुलिस या सेना नहीं कर सकती। इसके लिए राष्ट्रव्यापी जागरुकता और साइबर डिफेंस की जरूरत है।

भारत के सामने दोहरी चुनौती: सुरक्षा + समाज

इस घटना ने भारत के सामने दो मोर्चे खोल दिए हैं—

सुरक्षा मोर्चा: आतंकी नेटवर्क का खात्मा, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की निगरानी, सीमा-पार गतिविधियों पर नियंत्रण, प्रोफेशनल रैडिकलाइजेशन पर रोक

सामाजिक मोर्चा: युवाओं की मनोवैज्ञानिक सुरक्षा, कट्टरपंथी सामग्री पर रोक, धार्मिक सद्भाव की रक्षा, परिवार और शिक्षकों की भूमिका बढ़ाना, इन दोनों मोर्चों पर एक साथ काम करना बेहद जरूरी है, क्योंकि जब तक समाज मजबूत नहीं होगा, सुरक्षा तंत्र अकेले आतंकवाद से नहीं लड़ सकता।

भारत को चाहिए—नया राष्ट्रीय मॉडल

डिजिटल डीरैडिकलाइजेशन प्रोग्राम – स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय तक डिजिटल साक्षरता और प्रोपेगेंडा पहचान की ट्रेनिंग।

AI आधारित निगरानी प्रणाली – संदिग्ध ऑनलाइन पैटर्न तुरंत ट्रैक हो सकें।

इस्लामी विद्वानों और उलेमाओं की भूमिका – गलत धार्मिक व्याख्याओं को सार्वजनिक रूप से चुनौती देना।

परिवार और शिक्षकों की जागरूकता – युवाओं के व्यवहार में अचानक आए बदलाव को पहचानना।

सख्त साइबर कानून – पाकिस्तान समर्थित फर्जी अकाउंट्स और बॉट सेना पर कार्रवाई।

समुदाय के भीतर संवाद – गलतफहमियां मिटाने के लिए संवाद कार्यक्रम जरूरी।

क्लीन एयर प्लान, ईवी नीति और प्रशासनिक कदम नाकाफ़ी; समाधान जनता की जागरूकता और सामूहिक प्रयासों में

-कानून-कायदे नहीं, जागरूकता से करनी होगी प्रदूषण की रोकथाम

राजस्थान सहित पूरे उत्तर भारत में वायु प्रदूषण अब एक ऐसी समस्या बन चुका है, जिसने शहर से लेकर क़स्बों तक जीवन की रफ़्तार को प्रभावित कर दिया है। तकनीक, कानून-कायदे और योजनाओं पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद हवा की गुणवत्ता में वह सुधार नहीं दिख रहा, जिसकी अपेक्षा जनता और सरकार दोनों रखते हैं। दिल्ली-एनसीआर में जब भी हवा ज़हरीली होती है, उसका सीधा असर राजस्थान के अलवर, भरतपुर और भिवाड़ी जैसे इलाकों पर भी पड़ता है। हाल ही में जब दिल्ली-एनसीआर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 430 के पार पहुंचा, तो ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) का तीसरा चरण लागू करना पड़ा, जिसके तहत कई तरह की गतिविधियों पर रोक लगाई जाती है। यही प्रतिबंध राजस्थान के समीपवर्ती जिलों में भी लागू किए गए। भिवाड़ी का AQI 380 तक पहुंचना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदूषण की समस्या केवल दिल्ली तक सीमित नहीं, बल्कि इसका दायरा तेज़ी से बढ़ रहा है। राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर जैसे बड़े शहर भी लगातार "मध्यम से खराब श्रेणी" में बने हुए हैं। यह स्थिति तब है जब इनमें से कई शहरों में क्लीन एयर एक्शन प्लान पिछले कई वर्षों से चल रहा है—सड़कों की मशीन से सफाई, खुले में कचरा जलाने पर रोक, औद्योगिक इकाइयों में धूल और धुआँ नियंत्रण उपकरण लगाना आदि कदम पहले से लागू हैं। लेकिन इन सबके बावजूद हवा की गुणवत्ता दिन-ब-दिन गिरती ही जा रही है। दरअसल, समस्या यह है कि वायु प्रदूषण को केवल सरकारी कानूनों या आदेशों से नियंत्रित नहीं किया जा सकता। इसके लिए जनता, उद्योग जगत, स्थानीय निकाय, परिवहन विभाग, प्रशासन और सरकार—सभी का सामूहिक प्रयास ज़रूरी है। प्रदूषण एक "अदृश्य दुश्मन" है, जिसे केवल जुर्माने और नोटिस से नहीं, बल्कि जागरूकता और व्यवहार में बदलाव लाकर ही हराया जा सकता है।

सरकारी प्लान ज़मीन पर किस हद तक सफल?

राजस्थान में क्लीन एयर एक्शन प्लान लागू होने के बाद कई शहरों में मशीनों से सड़क सफाई, धूल दबाने के लिए वाटर स्प्रिंकलर, कचरा प्रबंधन और औद्योगिक इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण उपकरण की व्यवस्था अनिवार्य की गई। लेकिन समस्या यह है कि इन उपायों की निगरानी और वास्तविक क्रियान्वयन में ढील बरती जाती है।

सड़क की धूल—सबसे बड़ा योगदानकर्ता

राजस्थान में सड़क की धूल, निर्माण सामग्री और खुले में होने वाली गतिविधियां प्रदूषण के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। कई सड़कों पर मशीन सफाई की व्यवस्था तो है, लेकिन वह निरंतर नहीं चलती। जहां चलती भी है, वहां तकनीकी खामियों और संसाधनों की कमी के कारण इसका असर सीमित रह जाता है।

निर्माण स्थलों की धूल

निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के नियम हैं—जैसे, ग्रीन नेट लगाना, सामग्री को ढककर रखना, पानी का छिड़काव, डम्पर को ढककर ले जाना, लेकिन इन नियमों की पालना बहुत कम दिखाई देती है। अधिकांश निर्माण स्थलों पर पानी का छिड़काव औपचारिकता भर होता है। औद्योगिक प्रदूषण—कागज़ और ज़मीनी हकीकत में फ़र्क औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित प्रदूषण नियंत्रण उपकरण अक्सर या तो चलते ही नहीं या क्षमता से कम कार्य करते हैं। कई उद्योग पर्यावरण मानकों को पूरा करने के लिए कागज़ी फाइलों में तो उपकरण लगा देते हैं, लेकिन प्रक्रिया की निगरानी न होने के चलते वास्तविक प्रभाव सामने नहीं आता।

इलेक्ट्रिक वाहनों की नीति—अच्छा कदम, लेकिन धीरे-धीरे असर

राजस्थान सरकार ने इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) नीति लागू की, जिसके तहत, ईवी खरीद पर सब्सिडी, चार्जिंग स्टेशन, पब्लिक ट्रांसपोर्ट में ईवी को बढ़ावा, जैसे कदम उठाए गए। लेकिन अभी भी राजस्थान में ईवी का प्रतिशत बेहद कम है। आम लोगों की जागरूकता, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और पुराने वाहनों का निरंतर उपयोग इस नीति के प्रभाव को कमजोर कर रहा है।

दिल्ली-एनसीआर का प्रभाव—राजस्थान क्यों झेलता है मार?

राजस्थान के अलवर, भरतपुर और दारूहेड़ा-भिवाड़ी क्षेत्र दिल्ली से सिर्फ कुछ ही किलोमीटर दूर हैं। जब भी दिल्ली में पराली, ट्रैफिक, औद्योगिक गतिविधियों और मौसम की स्थिति के कारण प्रदूषण बढ़ता है, उसकी हवा आसानी से राजस्थान की तरफ बहने लगती है। वाड़ी, जो भारत के सर्वाधिक प्रदूषित इलाकों में लंबे समय से शामिल रहा है, ट्रांस-बॉर्डर पॉल्यूशन का सबसे बड़ा शिकार है। दिल्ली की हवा खराब होती है, तो यहां की हवा भी बिगड़ जाती है। इस स्थिति को देखते हुए GRAP के कई चरण राजस्थान में भी लागू किए जाते हैं—जैसे निर्माण कार्यों पर रोक, ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध, डीजल जेनरेटर पर रोक, स्कूल बंद करने तक की स्थिति, लेकिन यह सब तब लागू होता है जब स्थिति पहले ही बिगड़ चुकी होती है।

आम जनता का योगदान—यही असली इलाज

सच्चाई यह है कि सरकार चाहे जितने आदेश निकाल दे, जब तक जनता अपने व्यवहार में बदलाव नहीं लाएगी, प्रदूषण को खत्म करना मुश्किल है। इसके लिए समाज का सक्रिय योगदान और जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल: जहां तक हो सके निजी वाहनों के बजाय बस, मेट्रो, टैक्सी शेयरिंग या कारपूल का इस्तेमाल किया जाए। हर परिवार यदि सप्ताह में दो दिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट इस्तेमाल करे, तो शहर में वाहनों का दबाव 20-25% तक कम हो सकता है।

पुराने वाहनों को हटाना: पुराने डीज़ल वाहन प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत हैं। यदि लोग स्वेच्छा से अपने पुराने वाहन हटाएं या उन्हें PUC मानक के भीतर चलाएं, तो हवा काफी हद तक साफ़ हो सकती है।

कचरा जलाना—सबसे हानिकारक आदत: बहुत से लोग आज भी पत्ते, कचरा और प्लास्टिक सड़क किनारे जलाते हैं। यह एक छोटा काम लगता है, लेकिन इससे उठने वाला धुआँ कई किलोमीटर का माहौल खराब कर देता है।

मिठी खुशबू का कड़वा सच 'ई-सिगरेट' की गिरफ्त में युवा

-मीठे धुएं में जल रहा युवा पीढ़ी का भविष्य

किरोड़ी लाल मीना

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वर्तमान समय की सबसे बड़ी विडंबना है कि जिस तकनीक को मानवता की भलाई के लिए विकसित किया गया वहीं तकनीक अब धीरे-धीरे समाज को खोखला कर रही है। वर्तमान के इस दौर में जहां युवाओं को ज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होना चाहिए लेकिन इस युग की युवा पीढ़ी एक खामोश जहर 'ई-सिगरेट' की गिरफ्त में जा रही है। आधुनिकता, आकर्षक फ्लेवर और दिखावे की होड़ ने इस डिजिटल धुएं को युवाओं की आदत और फिर लत में तब्दील कर दिया है। यह न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि एक समृद्ध और सशक्त समाज के भविष्य के लिए भी एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है।

ई-सिगरेट क्या है-

ई-सिगरेट, जिसे इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट, वेप, वेप पेन, या वेपिंग डिवाइस भी कहा जाता है, एक बैटरी से चलने वाला उपकरण है जो निकोटीन, फ्लेवर और अन्य रसायनों को गर्म कर वाष्प बनाता है, जिसे उपयोगकर्ता साँस के जरिए अंदर लेता है। यह पारंपरिक सिगरेट की तरह धुआं नहीं बल्कि धुंध जैसा वाष्प छोड़ती है। कैसे काम करती है ई-सिगरेट:- लिक्विड ई-सिगरेट में एक कार्ट्रिज होता है जिसमें निकोटीन, फ्लेवर और अन्य रसायन वाला लिक्विड भरा होता है, हीटिंग एलिमेंट बैटरी से चलने वाला हीटिंग सिस्टम इस लिक्विड को गर्म करता है। वाष्प लिक्विड गर्म होकर भाप बन जाता है जिसे उपयोगकर्ता साँस के जरिए अंदर लेता है

ई-सिगरेट को क्यों खतरनाक माना जाता है-

इसमें मौजूद निकोटीन बहुत तेज़ लत लगाने वाला रसायन है। यह किशोरों और युवाओं के मस्तिष्क विकास को प्रभावित कर सकता है। इसके इस्तेमाल करने वालों में फेफड़ों की गंभीर बीमारी (जैसे पॉपकॉर्न लंगस) देखी गई है। इससे हृदय, रक्तचाप और मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। इससे ध्यान भटकाव, चिड़चिड़ापन, अवसाद, और याददाश्त में कमी जैसी समस्याएं बढ़ने लगी हैं। ई-सिगरेट से दिल की धड़कन अनियमित हो सकती है और युवाओं में रक्तचाप की समस्या भी समय से पहले देखने को मिल रही है।

ई-सिगरेट की दिखावटी चमक के पीछे छिपा जहर-

ई-सिगरेट को एक वैकल्पिक नशे के रूप में बाजार में लाया गया। जब इसे बाजार में उतारा गया तो इसे पारंपरिक धूम्रपान का कम हानिकारक विकल्प कहा गया एवं इसे धूम्रपान छोड़ने का 'सुरक्षित माध्यम' बताया गया। लेकिन व्यावसायिक हितों और आकर्षक प्रचार, वेपिंग डिवाइसेज़ की डिज़ाइन, फलों और मिठास जैसे फ्लेवर, और सोशल मीडिया के ट्रेंड्स ने इसे युवाओं के बीच लोकप्रिय बना दिया, खासकर 15 से 25 वर्ष की उम्र के बीच। युवा वर्ग के लिए यह मात्र एक आदत ही नहीं बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति का ज़रिया बनता जा रहा है, जिसमें वे अपनी पहचान, स्वतंत्रता और सुख शांति ढूंढ़ने लगे हैं। लेकिन हकीकत यह है कि ये पहचान युवाओं को नशे की गिरफ्त में लेकर भीतर से खोखला कर रही है।

समाज की चुप्पी एक खतरनाक सहमति-

जब समाज किसी समस्या पर चुप्पी साध ले, तो वह समस्या धीरे-धीरे एक महामारी का रूप ले लेती है। आज हर माता-पिता को यह भ्रम है कि "मेरा बच्चा ऐसा नहीं करेगा।" लेकिन आंकड़े कुछ और ही कहानी

कहते हैं। किशोरों में ई-सिगरेट की लत, सामान्य धूम्रपान की तुलना में दोगुनी तेजी से बढ़ रही है। कई बच्चे 13-14 वर्ष की उम्र में ही इसका सेवन शुरू कर रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव इतना घातक है कि कई मामलों में आत्महत्या की प्रवृत्तियाँ भी उभर कर आई हैं। इस चुप्पी को अब तोड़ना होगा। यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक संकट बन चुका है।

समाधान जागरूकता से ही बनेगा बचाव-

शिक्षण संस्थानों में जागरूकता अभियान चलाने होंगे ताकि बच्चे यह समझ सकें कि यह कोई कूल फैशन नहीं बल्कि एक धीमा ज़हर है। अभिभावकों को बच्चों के साथ खुलकर संवाद करना होगा डराने के बजाय समझाने और मार्गदर्शन देने की ज़रूरत है। सरकार और प्रशासन को स्कूलों और कॉलेज परिसरों में ई-सिगरेट की उपलब्धता पर निगरानी रखनी होगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करनी होगी।

कानूनन प्रतिबंध-

देश में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध है और इसके उल्लंघन पर सजा का प्रावधान है। सरकार ने ई-सिगरेट की बिक्री, वितरण, भंडारण, उत्पादन, निर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, और विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। ई-सिगरेट के आकर्षक धुएं के पीछे एक पीढ़ी का भविष्य धुंधला होता जा रहा है। यह एक ऐसा धीमा ज़हर है जो न सिर्फ शरीर को बल्कि समाज के मूल्यों, ऊर्जा और उम्मीदों को भी नष्ट कर रहा है। हमें समझना होगा कि हर छोड़ी गई सांस में एक सपना जलता है और हर वेपिंग के कश में एक जीवन मिटता है। युवाओं को इस फरेब से बाहर निकालना, केवल सरकार की नहीं, हम सभी की ज़िम्मेदारी है। आइए, साथ मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं, जहां धुएं नहीं, उम्मीदें उड़ें।

राजस्थान को विकास के नए आयाम देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सार्थक पहल

-केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर प्रदेश के शहरी विकास, ऊर्जा, जल परियोजनाओं एवं कौशल विकास पर की चर्चा
-राजस्थान में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाओं के मद्देनजर विद्युत निकासी के सुदृढ़ीकरण को लेकर हुई अहम चर्चा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास को नए आयाम देने की दिशा में शहरी विकास, ऊर्जा, जल परियोजनाओं एवं कौशल विकास से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से भेंट के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक भी की। बैठक में राजस्थान में भारत के सौर ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने की अपार संभावनाओं को देखते हुए विद्युत निकासी के सुदृढ़ीकरण को लेकर सार्थक चर्चा की गई।

टॉवर बेस मुआवजा दर, डी.एल. सी. की 400 प्रतिशत तक-

बैठक में अवगत कराया गया कि किसानों के हित में टॉवर बेस मुआवजा दर को डी.एल.सी. दर के 400 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है जबकि कॉरिडोर मुआवजा ग्रामीण क्षेत्रों में 30 प्रतिशत, नगरपालिका क्षेत्रों में 45 प्रतिशत तथा नगर निगम क्षेत्रों में 60 प्रतिशत निर्धारित किया गया है।

डिस्कॉम्स की ए.टी. एण्ड सी. हानियों में आ रही कमी-

बैठक में यह भी बताया गया कि ए.टी. एण्ड सी. हानियों में लगातार कमी आ रही है। इसी क्रम में जयपुर एवं अजमेर डिस्कॉम अब 15 प्रतिशत के स्तर से नीचे आ चुके हैं। साथ ही, आर.डी.एस.एस. योजना के क्रियान्वयन की गति में सुधार किया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के ऊर्जा विकास में सहयोग के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने जयपुर मेट्रो के चरण-2 की डीपीआर स्वीकृति को लेकर भी विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री की केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से मुलाकात-

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से मुलाकात के दौरान प्रदेश में जल आपूर्ति, जल संचयन सहित जल परियोजनाओं पर वार्ता की। दोनों के मध्य फिरोजपुर फीडर रिलाइनिंग एवं रामजल सेतु लिंक परियोजना की प्रगति को लेकर सार्थक चर्चा हुई। इस दौरान प्रदेश में चल रहे कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान की सफलता की सराहना की गई।

मुख्यमंत्री की केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री से मुलाकात-

इसके बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी से भी मुलाकात की। इस दौरान शर्मा एवं चौधरी के मध्य केंद्र सरकार के सहयोग से राजस्थान को स्किल डवलपमेंट हब बनाने से जुड़े रोडमैप पर चर्चा की गई।

राजस्थान की आत्मा का उत्सव बनकर उभरेगा घूमर फेस्टिवल- 2025- उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री तथा पर्यटन और कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि राजस्थान की पहचान उसकी रंग-बिरंगी संस्कृति, समृद्ध परंपराओं एवं जीवंत लोकनृत्यों तथा लोक भावनाओं में बसती है। घूमर केवल एक नृत्य नहीं बल्कि राजस्थान की आत्मा है। यह नृत्य हमारे प्रदेश की गौरवशाली कला-संस्कृति और नारीशक्ति के उमंग और उत्साह की लय-तालबद्ध लोक अभिव्यक्ति है। दिया कुमारी ने राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत एवं राजस्थान पर्यटन आयुक्त रूकमणि रियाड़ की उपस्थिति में पर्यटन भवन में गुरूवार को आयोजित घूमर फेस्टीवल-2025 के पोस्टर विमोचन और प्रेस कॉन्फ्रेन्स में उक्त विचार व्यक्त किए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार हमारी सांस्कृतिक धरोहरों, विरासतों का संरक्षण और संवर्द्धन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में राजस्थान सरकार द्वारा कला, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के माध्यम से पहली बार घूमर फेस्टिवल- 2025 का आयोजन आगामी 19 नवम्बर बुधवार को किया जा रहा है। दिया कुमारी ने समस्त प्रदेशवासियों, बहनों, बेटियों और कला-प्रेमियों को घूमर फेस्टीवल-2025 में राजस्थानी पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम स्थल पर पधारने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से हमारे लोकनृत्य घूमर की गरिमा और भी निखरेगी, और यह आयोजन राजस्थान की आत्मा का उत्सव बनकर उभरेगा।

सभी संभाग स्तर पर भव्य आयोजन—

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अपने आप में ऐतिहासिक है कि घूमर महोत्सव-2025 राज्य के सातों संभाग मुख्यालयों जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, उदयपुर, कोटा और भरतपुर में एक ही दिन 19 नवंबर को एक ही समय पर भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। यह राज्यव्यापी आयोजन अजमेर के खेल स्टेडियम, सम्राट पृथ्वी राज राजकीय महाविद्यालय में, भरतपुर में विश्वप्रिय शास्त्री पार्क में तथा कार्यशाला, व्यायामशाला, मास्टर आदित्येंद्र सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भरतपुर में, बीकानेर में डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में तथा कार्यशाला, महारानी बालिका विद्यालय, डॉ. कर्णी सिंह स्टेडियम के सामने, जोधपुर में राजकीय उम्मेद स्टेडियम में, जयपुर में फुटबॉल ग्राउंड, विद्याधर नगर स्टेडियम में तथा कार्यशाला, जेकेके में, कोटा में शौर्य घाट, चम्बल नदी तट पर, उदयपुर मे भण्डारी दर्शक मण्डप में तथा कार्यशाला, दीन दयाल उपाध्याय सभागार, नगर निगम उदयपुर में किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक संभाग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जो स्थानीय स्तर पर सभी व्यवस्थाओं का समन्वय सुनिश्चित करेंगे।

जयपुर में राज्य स्तरीय आयोजन—

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि राज्यस्तरीय मुख्य आयोजन विद्याधर नगर स्टेडियम, जयपुर के फुटबॉल ग्राउंड पर बुधवार, 19 नवम्बर को दोपहर 3 बजे से शाम 6:30 बजे तक आयोजित होगा। इस अवसर पर गणगौर घूमर डांस अकादमी की कार्यकारी निदेशक ज्योति तोमर के निर्देशन में कलाकार पारंपरिक लोकसंगीत पर मनोहारी घूमर नृत्य प्रस्तुत करेंगे।

सांस्कृतिक एकरूपता और नवाचार—

इस महोत्सव के लिए विशेष रूप से एक साउंड ट्रैक तैयार किया गया है, जिस पर सभी सातों संभागों में एक साथ नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा।

सहभागिता और पात्रता—

इस फेस्टिवल में 12 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाएं तथा किसी भी आयु की महिलाएं भाग ले सकती हैं। यह एक ओपन और समावेशी मंच है जिसमें स्कूल-कॉलेज की छात्राएं, गृहणियाँ, प्रोफेशनल डांसर, कार्यरत महिलाएं और सांस्कृतिक संस्थाओं की सदस्याएँ सहभागिता कर सकती है।

वाटरशेड महोत्सव का राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह

-जल स्रोतों के पुनरुद्धार से भूजल स्तर बढ़ेगा, भूमि में नमी से हरियाली बढ़ेगी विलायती बबूल हटाओ
-चारागाह बचाओ अभियान में जूलीफ्लोरा को समूल नष्ट करेंगे- शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि प्रदेश में कई स्थानों पर भूजल स्तर काफी नीचे पहुंच गया है, भूमि में नमी नहीं होने से वनस्पतियां उत्पादित नहीं हो रही हैं और मिट्टी के निरंतर कटाव से भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो रही है। इन परिस्थितियों को देखते हुए हमें बारिश के पानी को एकत्र कर भूजल रिचार्ज बढ़ाने के लिए जल ग्रहण विकास के कार्य करने होंगे। साथ ही, पेड़-पौधे लगाकर मिट्टी का कटाव रोकने एवं नदियों, तालाबों तथा परम्परागत जल स्त्रोतों के पुनरुद्धार के कार्य मिशन वाटरशेड के तहत करने होंगे। इन्हीं लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आज से उण्डवा में राज्य स्तरीय वाटरशेड महोत्सव एवं मिशन जल ग्रहण पुनरुत्थान कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ है। दिलावर गुरुवार को कोटा जिले की खैराबाद पंचायत समिति के उण्डवा गांव में वाटरशेड महोत्सव के राज्य स्तरीय समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी 159 जल ग्रहण विकास परियोजनाओं में इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर आमजन में जागरूकता पैदा की जाएगी और वाटर शेड का महत्व समझाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों के पुनरुद्धार से भूजल स्तर बढ़ेगा, भूमि में नमी से हरियाली बढ़ेगी और जानवरों के लिए चारा उत्पादित होगा। इससे प्रदेश की तस्वीर भी बदलेगी। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि मिशन जल ग्रहण पुनरुत्थान एवं वाटर शेड महोत्सव में बढ़ चढ़कर भाग लें। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने कहा कि विलायती बबूल जूलीफ्लोरा ने प्रदेश में 500 प्रकार की वनस्पतियों को समाप्त कर दिया है, गहरी जड़ें होने के कारण विलायती बबूल प्रतिदिन 30 लीटर पानी सोंखता है और इससे भूजल स्तर काफी तेजी से नीचे जाता है। उन्होंने कहा कि इससे निकलने वाली जहरीली गैसों से बीमारियां फैलती हैं एवं मिट्टी भी अनुपजाऊ हो जाती है। देशी वनस्पतियों को खा रहे इस राक्षस को पूरे प्रदेश से हटाने के लिए विलायती बबूल हटाओ-चारागाह बचाओ अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि पंचायतें अपने कोष से पैसा खर्च कर जूलीफ्लोरा को जड़ से उखाड़कर नष्ट करें। उन्होंने कहा कि जहां विलायती बबूल है वहां से उसे समूल नष्ट कर उन जगहों पर चरागाहों का विकास किया जाएगा।

वर्षों पुरानी पाटली नदी को पुनर्जीवित किया—

उन्होंने कहा कि नदी, तालाब एवं परंपरागत जल स्रोतों के पुनरुद्धार अभियान के तहत रामगंजमंडी क्षेत्र की वर्षों पुरानी पाटली नदी को पुनर्जीवित किया गया है। इस नदी के पानी से 50 हजार बीघा से अधिक जमीन सिंचित होगी। श्री दिलावर ने कहा कि राजस्थान पहला राज्य है जहां देसी वनस्पतियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बीज बैंक बनाए गए हैं। उन्होंने इस अवसर पर मोबाइल बीच बैंक मॉड्यूल का भी शुभारंभ किया। इसके माध्यम से वानस्पतिक बीज बैंकों की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हर गांव को स्वच्छ रखने के लिए पंचायतों को प्रतिमाह एक लाख रुपये उपलब्ध कराए हैं। जिन पंचायतों में जनसंख्या अधिक है वहां 5 लाख रुपये तक दिए जा रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि हर गांव में प्रतिदिन झाड़ू लगे।

राजकीय ट्रोमा सेन्टर बिलाडा के डॉ. बुधराज बिश्नोई चिकित्साधिकारी को तीन लाख सत्तर हजार रूपयें रिश्वत लेते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी जोधपुर शहर द्वारा आज कार्यवाही करतें हुए डॉ. बुधराज बिश्नोई चिकित्साधिकारी राजकीय ट्रोमा सेन्टर बिलाडा, जिला जोधपुर को 3,70,000 रूपयें रिश्वत लेतें रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी की जोधपुर शहर ईकाई कों एक शिकायत इस आशय की मिली कि डॉ.बुधराज बिश्नोई चिकित्साधिकारी राजकीय ट्रोमा सेन्टर बिलाडा जिला जोधपुर द्वारा परिवादी के भाई को फार्मासिस्ट के पद के लिए नियुक्ति देनें के लिए 3 लाख रूपयें व दोस्त को सफाईकर्मी के पद हेतु नियुक्ति देनें के लिए 50,000 रूपयें से 1 लाख रूपयें तक सीएमएचओं जोधपुर ग्रामीण डॉ.मोहनदान देथा के लिए मांग की जा रही है। जिस पर भुवन भूषण यादव उप महानिरीक्षक पुलिस एसीबी जोधपुर के सुपरविजन में चक्रवर्ती सिंह राठौड अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों जोधपुर शहर के नेतृत्व में मय जाब्ता के ट्रेप कार्यवाही करतें हुए डॉ. बुधराज बिश्नोई चिकित्साधिकारी राजकीय ट्रोमा सेन्टर बिलाडा जिला जोधपुर कों 3,70,000 रूपयें रिश्वत राशि लेतें हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामलें में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया जायेगा एवं अन्य संदिग्ध की भूमिका की जांच जारी है।

नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । ऑल इण्डिया मुस्लिम वक्फ सम्पत्ति संरक्षण बोर्ड के प्रदेश सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट रहीस अहमद कुरेशी के गंगापुरसिटी आगमन के अवसर पर उनके स्वागत करने के लिए शिफा फार्मेसी एण्ड डाईग्नोस्टिक सेन्टर की ओर से गंगापुरसिटी (सवाई माधोपुर) में रविवार, 16 नवम्बर, 2025 को प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक एक नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

शिविर में नेत्र जाँच के साथ चश्मा भी वितरण किये जायेंगे।

देश में पहली बार घड़ियाल संरक्षण की अनूठी पहल

-वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने घड़ियाल के 10 बच्चों को चम्बल नदी में छोड़ा
-चम्बल अभ्यारण्य 'घड़ियाल हॉटस्पॉट' के रूप में होगा विकसित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने गुरुवार को सवाई माधोपुर जिले के राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभयारण्य, पालीघाट में घड़ियालों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए एक अनूठी पहल की। उन्होंने 5 माह उम्र के कुल 30 में से 10 घड़ियाल हैचलिंग्स को चम्बल नदी में उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ा। शेष को 5-6 दिन के अंतराल पर चंबल नदी में छोड़ा जाएगा। वन एवं पर्यावरण विभाग द्वारा रियरिंग फास्ट ट्रैक-हेड स्टार्टिंग कार्यक्रम के तहत घड़ियाल के इन बच्चों को अंडों से बाहर निकालने के बाद संरक्षित किया गया था। राज्यमंत्री संजय शर्मा ने बताया कि यह घड़ियाल संरक्षण की यह अनूठी पहल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिशा निर्देशानुसार शुरू की गयी है। वन विभाग ने चंबल किनारे मादा घड़ियाल के अंडे देने के स्थान से अंडे से निकले बच्चों को संरक्षण के लिए रेस्क्यू किया गया। तब इनकी लम्बाई लगभग 25 सेंटीमीटर थी। सुरक्षा की दृष्टि से उन सभी को अलग-अलग केबिन में रखकर घड़ियाल के हैचलिंग्स को नेचुरल फूड (जिंदा मछली) दी गई, जिससे वह शिकार की आदत नहीं भूलें। अब जब ये घड़ियाल के बच्चे 75 सेंटीमीटर के हो गए हैं, तब उनको प्राकृतिक वातावरण में छोड़ा जा रहा है। वन राज्यमंत्री ने चंबल अभयारण्य का अवलोकन कर घड़ियाल संरक्षण, कृत्रिम प्रजनन और वैज्ञानिक रियरिंग तकनीकों की जानकारी ली तथा व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि "चम्बल नदी क्षेत्र के पारिस्थितिकी संतुलन की धुरी है। पालीघाट में जिस प्रकार वैज्ञानिक ढंग से कार्य हो रहा है, उसी तर्ज पर धौलपुर और अन्य क्षेत्रों में भी चम्बल नदी तंत्र में घड़ियाल संरक्षण को सशक्त किया जाएगा।" शर्मा ने कहा कि घड़ियाल अभयारण्य को पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में पालीघाट और चम्बल तट को "इको-टूरिज्म जोन" के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चम्बल क्षेत्र "घड़ियालों की धरती और पर्यावरणीय संतुलन का प्रतीक" बनकर उभर रहा है।

मनोहरपुर NH-48 पर सकरी पुलिया के पास कार दुर्घटनाग्रस्त

-चालक घायल, राहगीरों ने दिखाई मानवता

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-48) पर मनोहरपुर क्षेत्र स्थित सकरी पुलिया के पास बुधवार दोपहर एक कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि कार चालक घायल हो गया। राहगीरों ने मौके पर तत्परता दिखाते हुए घायल चालक को तुरंत स्थानीय निजी चिकित्सालय पहुंचाया। सूचना मिलते ही थाना मनोहरपुर पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर हेड कांस्टेबल लालूराम एवं कांस्टेबल ओमप्रकाश सिरका ने पहुंचकर मौका निरीक्षण किया। वहीं NHAI हाईवे पेट्रोलिंग टीम के गुलाबचंद और रामसिंह भी मौके पर पहुंचे और यातायात सुचारू कराया। घायल चालक की पहचान पंकज असवाल पुत्र जयप्रकाश असवाल निवासी मनोहरपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दीपावली मिलन में सम्मान समारोह का शानदार जशन मनाया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। आरी तरी दस्तकार मजदूर कल्याण संस्थान के तत्वाधान में ईदगाह के सामने दिल्ली बायपास रोड में दीपावली मिलन में सम्मान समारोह का शानदार आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी फिरोज आलम खान ने बताया कि इस प्रोग्राम में आदर्श नगर विधायक रफीक खान विधायक और पूर्व डायरेक्टर आकाशवाणी रेडियो मोहतरमा रेशमा खान और पार्षद गण समाजसेवी को संस्था के अध्यक्ष आजम खान ने गुलदस्ता व माला पहनकर स्वागत किया। सम्मान स्वरूप ट्रॉफी दी आजम खान ने, संस्था की ओर से विधायक रफीक खान के सामने दो मांगे रखी जिसमें घनी आबादी क्षेत्र में होने वाली दुर्घटनाओं में चिकित्सा सुविधा के लिए दिल्ली रोड पर सेटेलाइट हॉस्पिटल नहीं होने पर उसे बनवाने की मांग की। दूसरी गरीब मजदूर कल्याण संस्था द्वारा गरीब मजदूर लोगों को प्रशिक्षण हेतु जगह उपलब्ध कराई जाऐ जिससे वह उनको प्रशिक्षण दिया जा सके। इस अवसर पर रेशमा खान को आकाशवाणी में डायरेक्टर के पद से रिटायर्ड होने पर उन्हें अच्छे कार्यों के लिए सम्मानित किया। प्रोग्राम में जमाते इस्लामी के सदर निजामुद्दीन साहब, हाफ़िज़ मंजूर साहब, नगरीक मंच से सवाई सिंह जी नेशनल मुस्लिम वूमेन वेलफेयर सोसाइटी के निषाद हुसैन, हज समिति के सेक्रेटरी निजामुद्दीन साहब, नासिर खान नागोरी, पार्षद नरेश नगर, बसंत हरियाणा, सियाराम शर्मा, अब्दुल कादिर ऑफ मुन्ना, प्रिंस अब्दुल कलाम, समाज सेवको दस्तकारों विधायकों में संस्था के साथी शाम लाल शर्मा, शकील जयपुरी, हमीद फारूक की जर्रार अहमद, लकी लालवानी, नौशाद लोहार, शारिक अली आदि लोगों ने अवार्ड देकर सम्मानित किया।

सूफ़ी खानकाह ने दिल्ली आतंकी धमाके की निंदा व कठोर कार्रवाई की मांग की

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली लाल किला के पास हुई आतंकी धमाके की घटना का सूफ़ी खानकाह एसोसिएशन राजस्थान द्वारा कड़ी निंदा करते हुए, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में, बयान जारी करते हुए सूफी खानकाह एसोसिएशन राजस्थान इकाई प्रदेश अध्यक्ष और सज्जादा नशीन दरगाह शेख सय्यद अहमद चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह अमरसर, जयपुर राजस्थान सूफ़ी सय्यद आबिद अली चिश्ती फरीदी ने कहा कि भारत की अखंडता और एकता को कमजोर करने के उद्देश्य से लाल किला के पास की गई आतंकी धमाके की सूफ़ी खानकाह एसोसिएशन कड़ी निंदा करता है। उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों को हताहत करने वाली यह शर्मनाक घटना हमारी एकता को कमजोर नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि हुकूमत पहले की तरह कार्रवाई करते हुए इस हमले में शामिल लोगों को सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि मजहब ए इस्लाम किसी भी तरह की दहशतगर्दी और जुल्म को बर्दाश्त नहीं करता। उन्होंने कहा कि पवित्र कुरान शरीफ में साफ साफ हुक्म है कि जिसने किसी एक बेगुनाह को मारा उसने सारी इंसानियत को मारा, उन्होंने कहा कि इंसानियत को शर्मशार करने वाली इस घटना में हताहत हुए निर्दोष नागरिकों के परिवारों के साथ संवेदना व्यक्त करते हुए शांति और धैर्य की अपील करते हैं।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

राजकीय भरतीया अस्पताल में पीडब्ल्यूडी द्वारा किए गए अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करें- डॉ. एमएम पुकार

-चार महीने हो गए टेंडर को भुगतान भी हो गया लेकिन काम अधूरा रह गया
-पीडब्ल्यूडी एईएन ने कहा कार्य जल्दी पूरा करेंगे

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजकीय भरतीया अस्पताल में सरकार द्वारा धन खर्च करने के बाद भी कार्यों में लापरवाही की तस्वीरें देखीं जा सकती है चूरू के राजकीय भरतीया अस्पताल में साफ नजर आ रही हैं। मातृ शिशु अस्पताल (एमसीएच) की छत की वाटरप्रूफिंग का टेंडर चार महीने पहले हो चुका है और भुगतान भी कर दिया गया है, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हुआ। विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की उदासीनता पर अस्पताल प्रशासन ने नाराजगी जताई है। भरतिया अस्पताल में मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एम. एम. पुकार और अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपक चौधरी ने पीडब्ल्यूडी द्वारा किए गए निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में कई खामियां सामने आईं। इमरजेंसी वार्ड में उखड़ी टाइल्स, अधूरे निर्माण और खराब उपकरणों की स्थिति बनी हुई है।अधिकारियों ने पीडब्ल्यूडी टीम को मौके पर ही फटकार लगाई और कहा कि जिन कार्यों का भुगतान हो चुका है, वे अब तक अधूरे क्यों हैं? निरीक्षण में यह भी सामने आया कि एमसीएच बिल्डिंग की छत की वाटरप्रूफिंग का कार्य लंबे समय से लंबित है, जबकि इसके लिए लाखों रुपए का भुगतान पहले ही किया जा चुका है। निरीक्षण में उजागर हुई कई कमियां अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, अस्पताल परिसर के कई वार्डों में टूटे स्ट्रेचर, व्हील चेयर, टूटी टाइल्स और उखड़ा फर्श जैसी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। इमरजेंसी वार्ड के प्रथम तल पर बने कई कमरे अब तक उपयोग में नहीं लिए जा सके, लेकिन वहां भी फर्श की टाइलें उखड़ चुकी हैं। पीडब्ल्यूडी चौकी बनाए जाने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि चौकी का उद्देश्य अस्पताल में त्वरित मरम्मत कार्यों को सुनिश्चित करना था, लेकिन अभी भी प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन और कारपेंटर की कमी से कार्य प्रभावित हैं। छत से निकले पाइप को बताया सीवरेज लाइन निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अस्पताल की छत से निकलते टॉयलेट पाइपों की ओर ध्यान दिलाया। इस पर पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने सफाई देते हुए कहा कि यह कार्य "सीवरेज" का हिस्सा है। अस्पताल प्रशासन ने इस दावे को लिखित रूप में देने को कहा, ताकि जिम्मेदारी तय की जा सके।अस्पताल प्रशासन ने दिखाई सख्ती अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपक चौधरी ने कहा-पीडब्ल्यूडी द्वारा किए गए अधूरे और घटिया कार्यों का रिकॉर्ड तैयार कर लिया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी अधूरे कार्य तय समय सीमा में पूरे किए जाएं। मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एम.एम. पुकार ने भी कहा कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पीडब्ल्यूडी एईएन अजय शर्मा ने बताया- निरीक्षण के दौरान जिन कार्यों में खामियां पाई गई हैं, उन्हें प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल की छत की वाटरप्रूफिंग सहित अन्य अधूरे कार्य जल्द शुरू किए जाएंगे।

डॉ. जाकिर हुसैन सिनियर सैकेन्डरी शिक्षण संस्थान में बच्चों को दी संस्कारित शिक्षा, मोटिवेशन किया

चुरु (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय डीटीओ आफिस के निकटवर्ती डॉक्टर जाकिर हुसैन सिनियर सैकेन्डरी शिक्षण संस्थान के सभागार में मोटिवेशनल कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य वक्ता एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति जिला अध्यक्ष सीवील राइट सोसायटी चुरु ने बच्चों को संस्कारित शिक्षा की प्रेरणा देते हुए कहा कि टचस्क्रीन स्मार्टफोन फोन 21वर्ष से कम उम्र के बच्चों को नहीं देखना है ये बड़े बच्चों के लिए सदुपयोग करना वरदान है और छोटे बच्चों के लिए दुरूपयोग करने पर अभिशाप है उन्होंने बालक बालिकाओं को प्रातः जल्दी उठकर पढ़ाई करने का स्वैच्छिक संकल्प दीलाया। उन्होंने कहा की ज्यौही आप सुबह सुबह जल्दी उठने पर पापाजी मम्मी जी दादाजी दादीजी कोई भी कहेगा बेटा पानी का लोटा देना ओर आप पानी का लोटा दोगे तो निकलने कालजे आशीष मिलेगी कि बेटा तेरा भला हो तो ये आशीर्वाद जीवन भर काम आता है और ये आशीर्वाद वो ही ले सकता है जो जल्दी उठता है उन्होंने कहा कि प्रातः अबुझ मुहुर्त होता आप जो सोचोगे वहीं लक्ष्य पूर्ति की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने बच्चों से कहा कि सुबह सौ प्रतिशत दिमाग उपस्थित रहता है दिन में पच्चीस प्रतिशत दिमाग उपस्थित रहता है यानी कि सुबह चार गुना ज्यादा पढ़ाई होती है सुबह मन्दिर में आरती का समय मस्जिद में अजान का समय ऊपर वाले मेहरबान का समय हो ता है प्रातः जल्दी उठने से सुस्वास्थ्य रहता है और सुस्वास्थ्य ही शैक्षणिक विकास की प्रथम सीढि है और उन्होंने कहा कि प्यारे बच्चों स्वास्थ्य अच्छा नहीं रखोगे बचपन में तो बुढ़े हो जाओगे पचपन में। बच्चों को प्रातः तीन घंटे घर पर पढ़कर शाला आने का स्वैच्छिक संकल्प दीलाते हुए अंकुरित अनाज को भोजन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी। बच्चों को डा एपीजे अब्दुल कलाम साहब,बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर, लाल बहादुर शास्त्री, स्वामी केशवानंद, स्वामी गोपाल दास, एकलव्य, बराक ओबामा, ब्रांड एंबेसडर रुमा देवी, जयललिता तामील नाडु की जिवनी व संघर्ष के उद्धरण दे कर सीख लेकर ऊंचाईयों छुने की प्रेरणा दी। बच्चों से अर्धवार्षिक परीक्षा को योग्यता का मापक बताते हुए ज्यादा तनाव न लेने की सलाह दी। ओर बच्चों को से कहा कि प्रशंता से सफलता सुनिश्चित होती है स्वस्थ रहो मस्त रहो पढ़ते रहो आगे बढ़ते रहो का नारा दिया। पढ़ते पढ़ते थकान होने पर हर दो घंटे बाद ध्यान व्यायाम करने अथवा केलोरी ले कर अच्छी पढ़ाई करने की सलाह दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनाब इदरीस खत्री प्रधानाचार्य ने की। उन्होंने कहा कि दुर दृष्टि पक्का इरादा कड़ी मेहनत अनुशासन से आदमी आगे बढ़ता है वो ही उंच्चाईया छुता है और प्यारे बच्चों इसका अनुसरण करना है। कार्यक्रम में सुष्मिता, रुबीना, योगिता, रमिजराजा, आरिफ खान, रफीक खान आदि ने सहभागिता दी। कार्यक्रम का संचालन दैवेन्द्र सिंह ने किया।

अंता विधानसभा उपचुनाव में प्रमोद जैन भाया जीते

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा उपचुनाव के तहत शुक्रवार को मतगणना के पश्चात कांग्रेस के प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया को सर्वाधिक 69 हजार 571 मत प्राप्त करने पर निर्वाचित घोषित किया गया। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के प्रत्याशी मोरपाल सुमन को 53 हजार 959 मत प्राप्त हुए। दोनों के बीच 15 हजार 612 मतों का अंतर रहा। कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में की गई मतों की गणना में निर्दलीय नरेश मीणा को 53 हजार 800 मत मिले। इसी तरह आरटीओआरपी के योगेश कुमार शर्मा ब्राह्मण को 680, पीआरवीपीओआई के राजपाल सिंह शेखावत को 167, निर्दलीय जमील अहमद को 121, दिलदार को 456, धर्मवीर बैरवा साहेब को 612, नरेश को 879, नौशाद को 345, पंकज पाजनटोरीवाला को 294, पुखराज सोनेल को 143, बंशीलाल को 238, बिलाल खान को 551, मंजूर आलम को 628, नोटा को 925 मत प्राप्त हुए। मतगणना में कुल 298 डाक मतपत्रों की भी गणना की गई। जिनमें से 28 मत निरस्त कर दिए गए। जबकि 270 मत वैद्य पाए गए। मतगणना 14 टेबलों पर 20 राउंड में की गई। मतगणना के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के पर्यवेक्षक सुभाश्री नंदा, जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर, जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु, उप जिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल व रिटर्निंग अधिकारी हवाई सिंह यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जनादेश शिरोधार्य, जनता का सम्मान सर्वोपरि- सिकरवार

बारां (रॉयल पत्रिका) अंता विधानसभा उपचुनाव के परिणाम पर भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार ने कहा कि इस उपचुनाव में भाजपा ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अंत तक आदरपूर्वक, अनुशासन और संगठनात्मक भावना के साथ भाग लिया। परिणाम चाहे जैसा रहा हो, क्षेत्र की देवतुल्य जनता का निर्णय हमारे लिए सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि भाजपा को जनादेश पूर्ण रूप से स्वीकार है। चुनाव में मिले समर्थन को भाजपा विकास और सुशासन के लिए जनता की निरंतर अपेक्षाओं का संकेत मानती है। हम संगठन को और मजबूत करेंगे, जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनेंगे और जनसेवा के कार्यों में और अधिक सक्रिय रहेंगे। भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन ने कहा कि इस चुनाव में भाजपा कार्यकर्ताओं ने गाँव-गाँव, ढाणी-ढाणी और प्रत्येक बूथ स्तर पर समर्पण, परिश्रम और संगठनात्मक एकजुटता का परिचय दिया। कार्यकर्ताओं के इस अथक प्रयास के लिए हम सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, बूथ समितियों, आईटी सेल, युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा की टीमों के प्रति कृतज्ञ हैं। सुमन ने क्षेत्र के मतदाताओं एवं चुनाव में जुटे कार्यकर्त्ताओं का आभार जताया।

अब घर-घर में जाकर एक साथ मिलेगी पशुपालकों को पशु बीमा की सुविधा- सी आर चौधरी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर किसान आयोग के अध्यक्ष सी आर चौधरी के चुरू आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सर्किट हाउस में विधायक हरलाल सहारण व जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर सी आर चौधरी ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन वाली सरकार किसानों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि देश का किसान सबल और सक्षम बने उसकी आय बढ़े क्योंकि किसान अन्नदाता होता है उसकी मेहनत का ही परिणाम है कि आज देश अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भर है। उन्होने बताया कि प्रदेश सरकार किसानो के कल्याण के लिए कई कार्य कर रही है इसी क्रम में यह निर्णय किया गया है कि सरकार द्वारा संचालित मंगला पशु बीमा योजना के अन्तर्गत पशु पालक के घर घर जाकर पशुओ का बीमा किया जायेगा जिससे त्वरित गति से पशु पालक लाभान्वित होगे। उन्होने कहा कि पूर्व में पशु बीमा तीन चरणो, स्वास्थय प्रमाण पत्र, पशु सर्वे और पशु पॉलिसी मं संबंधित विभागो द्वारा अलग अलग किया जाता था जिससे पशु पालको को सरकारी सहायता मिलने में काफी लंबा समय लगता था परन्तु अब पशु पालको के हित में सरकार ने यह निर्णय किया है कि तीनो विभाग एक साथ एक ही समय पर पशु पालको के घर पहुंच कर पशुओ की बीमा करेगे जिससे पशुपालको को बीमा दावा करने में किसी प्रकार की परेशानी नही होगी और उन्हे त्वरित सहायता मिल पायेगी। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने किसान को संबल देने के लिए कई कल्याणकारी नीतियों का निर्माण किया है जिसका परिणाम है आज किसान देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहा है।उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी नीतियों का ही परिणाम है कि किसान की आय दुगनी हो रही है।उन्होने कहा कि सरकार द्वारा पशु पालको के घर जाकर बीमा करने से क्षेत्र के सभी पशु पालको को लाभ मिलेगा उन्होने कहा कि पशु पालको को इस प्रकार की सुविधा मिलने से उन्हे सरकारी सहायता मिलने में सहुलियत रहेगी। उन्होने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने जिस प्रकार किसान को सम्मान निधि देकर सम्मानित किया है एवम् मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिस प्रकार किसान सम्मान निधि की राशि में अपना अंशदान दिया है उससे किसानो का मान सम्मान बढ़ा है। जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि चूरू में भी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है आवश्यकता है कि हम सभी कार्यकर्ता उसे लोगों तक पहुंचाएं जिससे जरूरत मंद को लाभ मिल सके और पार्टी के प्रति लोगों में विश्वास बढ़े। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार एवम् मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जिस प्रकार किसानो एवम् पशुपालको के लिए जो त्वरीत निर्णय लिये जा रहे है उससे देश व प्रदेश के किसानो में कृषि एवम् पशुपालन को लेकर सकारात्मक भाव पैदा हुऐ है जिसका परिणाम देश को मिल रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय परिषद सदस्य ओम सारस्वत, जिला प्रमुख वंदना आर्य,जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा,उप जिला प्रमुख महेंद्र न्योल,प्रधान दीप चंद राहड, मनभरी देवी,विनोद पूनिया, मधु सुदन राजपुरोहित,पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल,जिला मंत्री दीन दयाल सैनी,मंडल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत धर्मेंद्र राक्सिया जिला प्रवक्ता सुशील लाटा मीडिया सह संयोजक नीरज जांगिड़ सोशल मीडिया सह संयोजक सुरेश मिश्रा,मंडल उपाध्यक्ष सी पी शर्मा,भंडार चेयरमैन मोहनलाल गढ़वाल,नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल,पार्षद प्रत्याशी ओम इंदौरिया,रवि आर्य,आकाश सैनी, नारायण बेनीवाल,सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मानवता की मिसाल पेश करते रक्त वीर ठंडी रात में पहुंचकर किया रक्तदान, बचाई महिला की जान- आसिफ टिपू खान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर एक उम्मीद फाउंडेशन के संस्थापक आसिफ टीपू खान ने बताया कि बीती रात लगभग 11 बजे सकील प्यारे का फोन आया, जिसमें जानकारी दी गई कि राजगढ़ की महिला मुस्कान गंभीर स्थिति में है और उसे तुरंत 6 यूनिट O+ रक्त की बहुत ही जरूरत है। स्थिति की नाजुकता समझते हुए आसिफ टीपू खान ने बिना देर किए अपने साथी रक्तदाताओं इस्लाम खान, अजीज चौहान और नविद नसवान से संपर्क किया। मानवता की मिसाल पेश करते हुए तीनों रक्तवीर रात के समय ही ब्लड बैंक पहुँचे। ठंडी रात, देर का समय और व्यक्तिगत व्यस्तताओं के बावजूद उन्होंने एक अनजान महिला की जान बचाने के लिए आगे बढ़कर रक्तदान किया। उनके इस साहस, सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना को देखते हुए कहा जा सकता है कि ये युवा वास्तव में समाज के सच्चे हीरो हैं। इस मौके पर सकील प्यारे, हामिद खान रिसालदार और इमरान चौहान भी उपस्थित रहे। उन्होंने रक्तवीरों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि "रक्तदान सिर्फ एक दान नहीं, बल्कि एक जीवन का उपहार है।"उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसे नेक कामों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और नियमित रक्तदान करें, क्योंकि एक यूनिट रक्त किसी के लिए नई उम्मीद और नया जीवन बन सकता है।एक उम्मीद फाउंडेशन हमेशा की तरह मानव सेवा की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है—चाहे वह रक्तदान हो, रोगियों की सहायता, सामाजिक कार्य या ज़रूरतमंदों की मदद। संस्था का उद्देश्य है कि किसी भी जरूरतमंद को समय पर सहायता मिले और समाज में सकारात्मक संदेश फैले।

खेड़ापति धाम के महामंडलेश्वर प्रेमदास महाराज का निधन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत सामोद के स्थित खेड़ापति धाम के महामंडलेश्वर प्रेमदास महाराज का लंबी बीमारी के बाद आज सुबह 9:15 बजे आश्रम में निधन हो गया। पिछले कई कई महीनों से वह अस्वस्थ चल रहे थे और आश्रम में ही उनका उपचार जारी था। आज सुबह अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना फैलते ही सामोद, चौमूं, और आसपास के ग्रामीणों में अशोक की लहरदौड़ गई। महामंडलेश्वर प्रेमदास महाराज वर्षों से खेड़ापति धाम की सेवा में समर्पित रहे और समाज में धार्मिक गतिविधियों, सेवा कार्यों कथा आध्यात्मिक, मार्गदर्शन के लिए विशेष रूप से सम्मानित थे। आज सुबह दिन भर आश्रम में अंतिम दर्शन के लिए श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। इस मौके पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा , चौमूं विधायक शिखा मील (बराला) , डॉक्टर हनुमान साहब बराला, डॉ. श्रवण कुमार बराला, डॉ. जेपी सैनी, उदयपुरिया आश्रम से नरसिंहपुर जी महाराज, महिला यादव समाज अध्यक्ष वंदना यादव, चौमूं तहसील यादव समाज से सुभाष डागर, जयपुर जिला यादव महासभा के अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद खातोदिया , जयपुर जिला यादव महासभा के मीडिया प्रभारी भगवान सहाय यादव, सिध्दीविनायक अस्पताल के डायरेक्टर रूंडला, टोकस हॉस्पिटल के डायरेक्टर अशोक टोकस, डॉक्टर रामनारायण यादव, डॉक्टर अमरचंद शर्मा, कालाडेरा भाजपा मंडल के अध्यक्ष लालचंद यादव, जिला परिषद के जनप्रतिनिधि ओम प्रकाश दुसाद, नगर पालिका के चेहरे में विष्णु सैनी पूर्व प्रधान भगवान सहाय धासिंल, प्रदेश अध्यक्ष रामदेव सिगडं, सहित आस पास के संत महात्मा महाराज वह भक्तजन श्रद्धालु ग्रामीण सामोद पंचायत की जनप्रतिनिधि सरपंच गण सहित आसपास उपस्थित होकर अंतिम दर्शन 2 मिनट का मन रखकर महात्मा जी की आत्मा को शांति प्रदान दिया। इस बड़ी भीड़ को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था की लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया इसको लेकर सुबह 7:00 बजे खेड़ापति आश्रम से शुभारंभ करके सामोद के प्रमुख मार्ग से होते हुए गुजरी यात्रा के बाद आश्रम परिसर में ही अंतिम संस्कार की विधि पूरी की जाएगी।

राजकीय कॉलेज हिंडौन में लाइब्रेरी खोलने की मांग तेज, छात्राओं ने प्राचार्य को सौंपा ज्ञाप

हिंडौन (रॉयल पत्रिका) । राजकीय महाविद्यालय हिंडौन सिटी में काफी लंबे समय से चल रही छात्राओं की मांग लाइब्रेरी खुलवाने को लेकर आज प्राचार्य को ज्ञापन सोपा प्राचार्य ने 15 दिन का समय मांगा है 15 दिन बाद लाइब्रेरी सुचारू रूप से खुलेगी। अगर 15 दिन बाद लाइब्रेरी नहीं खुलती है तो विद्यार्थी परिषद छात्र शक्ति के साथ आंदोलन करेगी । इस दौरान अभिषेक, कपिल, तेजसिंह,सुलोचना,हर्षिता, दृष्टि, कशिश, दिव्या, मीरा, नंदनी, निशा, अरुण, रेणु, मधु सहित अन्य छात्र छात्राएं शामिल रहे ।

मरहूम फरहान इस्माइल/ रुस्तम मंडेलिया की मगफिरत के लिए दुआएं की गई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष ऱफ़ीक मंडेलिया के भाई के पोते फरहान इस्माइल रूस्तम मंडेलिया का गत दिन पहले इंतकाल हो गया उसकी दुवाएं क़ुरआन खानी एवं एक दिवसीय बैठक हुई। चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि बैठक में पूर्व सांसद रामसिंह कसवा, विधायक पूसाराम गोदारा, पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया,पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भंवरलाल पुजारी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आसिफ खान, पूर्व प्रधान संतोष तालानिया,पूर्व प्रधान गिरधारीलाल बांगड़वा,पूर्व अमीलाल कसवा, रियाजत खान सभापति अर्चना सारस्वत, गोविंद महनसरिया, धर्मेंद्र बुडानिया, आनन्द मंगल मिश्रा, रमेश इंदौरिया, हरिप्रसाद इंदौरिया, हरिप्रसाद हर्षवाल, उमेद सिंह, आदुराम न्यौल जमील चौहान, लालमोहम्मद भीयाणी, आशाराम एडवोकेट, फ़रहान रामेश्वर प्रजापत, किशोर धांधू, हेमन्त सिहाग, हर्ष लाम्बा, संजय भाटी, विमल शर्मा, सीताराम लुगरिया, विक्रम सिंह कोटवाद, सीताराम खटीक, सोहनलाल मेघवाल, विद्याधर मेघालय आदि ने इस्माइल रुस्तम मंडेलिया के लिए कर मरहूम को जनत में आला मुकाम मिले इसके लिए दुवाएं एवं एक दिवसीय बैठक में आप शामिल होकर अल्लाह ताल्लाह से दुवाएं की ।

साल भर से अधूरा पड़ा मीणा बड़ौदा से बडौली मोड़ तक सड़क निर्माण कार्य राहगीर परेशान

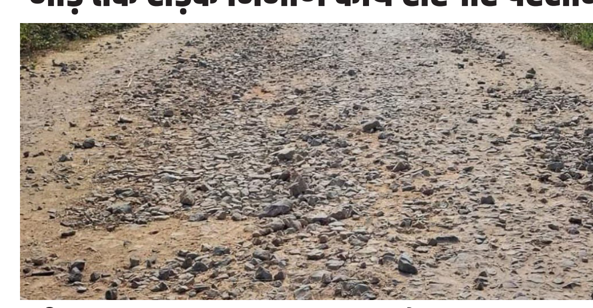

हनीस खान कुतकपुर

वजीरपुर (रॉयल पत्रिका)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मीना बड़ौदा व बडौली गांव को वजीरपुर लिंक रोड से जोड़ने वाली मुख्य सड़क का निमार्ण कार्य लगभग एक साल से अधिक समय पहले शुरू हुआ था लेकिन अब तक सड़क का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। निर्माण की धीमी रफ्तार और लापरवाही के कारण सड़क की हालत दिनों दिन खराब होती जा रही है। सड़क पर जगह-जगह गिट्टी उखड़ गई है। जिसके चलते आए दिन दुर्घटना होती रहती है।जिसका खामियाजा रोजाना राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। मीना बड़ौदा निवासी मुनेश मीना, ताराचंद, बलराम, अजीत मीणा आदि ने बताया कि मीणा बड़ौदा से बडौ़ली मोड़ तक सड़क निर्माण कार्य एक साल से अधिक पहले शुरू हुआ था लेकिन ठेकेदार द्वारा सड़क पर गिट्टियां तो बिछा दी गई है लेकिन पिछले एक साल से अधिक का समय बीत चुका है फीर भी सड़क निर्माण कार्य पूरा नही हुआ जिसके चलते क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने ठेकेदार व सम्बंधित विभाग से जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की है।

फैली का पुरा टोल प्लाज़ा पर भाईचारे की मिसाल

-टोल टीम का साफ़ा बाँधकर किया गया सम्मान

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। फैली का पुरा टोल प्लाज़ा पर करौली में आयोजित तीन दिवसीय इज्तिमा में शिरकत करने जा रहे मुस्लिम समाज के लोगों का जलपान कर सम्मान करने वाले टोल स्टाफ का आज पूर्व उपसभापति नफीस अहमद के नेतृत्व में समाज के गणमान्य लोगों ने अभिनंदन किया। टोल मैनेजर अंकित पाल एवं उनकी पूरी टीम ने आने-जाने वाले सभी लोगों के लिए भाईचारे और सौहार्द्र का संदेश देते हुए सेवा प्रदान की। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए पूर्व उपसभापति नफीस अहमद और उनकी टीम ने उन्हें साफा पहनाकर सम्मानित किया। गुंसार गाँव के समाजसेवी रमज़ान शेख और मोहम्मद अली ने बताया कि आज 14 नवम्बर दोपहर 12 बजे आयोजित हुए इस सम्मान समारोह में जमीअत उलेमा-ए-हिन्द के तहसील सदर हाफ़िज़ बाबुद्दीन, मुफ्ती अब्दुल हमीद कुरैशी, मौलाना मुख्तार सूरौठ, शफीक खान ढिंढोरा, देवेन्द्र जाट, भूपेन्दर गुर्जर, भूरा चैनापुरा, मेहन्द्र जाट सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और इंसानियत के संदेश को और मजबूत करने वाला साबित हुआ।

भारत रत्न स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 136 वी जयंती कांग्रेस द्वारा श्रद्धा के साथ मनाई गई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित जवाहर लाल नेहरू की 136वी जयंती चूरू जिला मुख्यालय स्थित शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेष कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पंडित जवाहर लाल नेहरू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने सांप्रदायिकता के खिलाफ संघर्ष और संविधान व संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा का संकल्प लिया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने नेहरू को बच्चों का प्रिय चाचा नेहरू बताते हुए उनके त्याग और संघर्ष को याद किया। उन्होने कहा कि संपन्न परिवार से होने के बावजूद उन्होने सादगीपूर्ण जीवन अपनाया और स्वतंत्रता संग्राम में नौ वर्ष जेल में बिताए। उनके परिवार की तीन पीढियों ने आजादी की लडाई में योगदान दिया। स्वतंत्रता के बाद नेहरू ने आधुनिक भारत की नींव रखी, जिसके लिए वे आज भी इतिहास में जीवित है। इस अवसर पर शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किषोर धान्धू, किसान नेता आदूराम न्यौल, जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान, नारायण बालाण, अबरार खां, विमल शर्मा, आरिफ रिसालदार, षिवकुमार शर्मा, सुशील स्वामी, तारीक नागौरी, ताराचंद बांठिया, कृष्ण सुण्डा, विनोद खटीक, सुषील मेघवाल, संजय भाटी, विनोद शर्मा, जाफर खां, संजय भाटी आदि मौजूद रहें।

शराब पीकर वाहन चलाने पर गिरफ्तार किया बस को सीज

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आईपीएस ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क व्यवस्था को सुदृढ बनाने के कम में 4.11.2025 से 18.11.2025 तक 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजानगढ दिनेश कुमार आरपीएस, वृताधिकारी वृत सुजानगढ़ दरजाराम आरपीएस के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना सुजानगढ बेगाराम मीणा के नेतृत्व में यातायात जाप्ता द्वारा 13.11.2025 को वाहनो को चैक करने के दौरान बस न. आरजे 21 पीए 2981 को चैक किया गया, बस चालक रामकरण पुत्र किशनाराम जाट उम्र 55 साल निवासी खिरोदा तहसील डेगाना जो शराब पीया हुआ पाया जाने पर चालक को अन्तर्गत धारा 185 एमवी एक्ट में गिरफ्तार किया गया एवं वाहन के कागजात नहीं होने पर सीज किया गया। इसके अलावा नीचे अंकितानुसार अन्य कार्यवाही की गयी :-शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध की गई कार्यवाही,गलत दिशा मे वाहन चलाने वालो के विरूद्ध की गई कार्यवाही,खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालो के विरूद्ध की गई कार्यवाही,बिना रिफलेक्टर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध की गई कार्यवाही,बिना नम्बर प्लेट वाहन चलाने वालों के विरूद्ध की गई कार्यवाही, नॉ पार्किंग ऑवरलोड वाहनो के खिलाफ कार्यवाही,अन्य एमवी एक्ट की कूल कार्यवाही की गई।

चूरू के कनिष्क शर्मा ने शूटिंग में रचा इतिहास, नेशनल चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला खेल स्टेडियम स्थित चिंकारा शूटिंग रेंज के प्रतिभाशाली शूटर कनिष्क शर्मा ने भोपाल में आयोजित ऑल इंडिया जी. वी. मावलंकर शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर चूरू का नाम एक बार फिर रोशन किया है। प्रतियोगिता में कनिष्क ने बेहतरीन एकाग्रता और मजबूत प्रदर्शन का परिचय दिया। उनके प्रदर्शन ने न केवल उनके कोच और खेल प्रेमियों को प्रभावित किया बल्कि क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना। चूरू के शिव कॉलोनी निवासी 12 वी कक्षा के छात्र कनिष्क शर्मा के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए उनका चयन अब 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए हो गया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 11 दिसंबर से 31 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी, जिसमें देशभर के चूने हुए श्रेष्ठ शूटर हिस्सा लेंगे। 15 वर्षीय कनिष्क इस प्रतियोगिता में अपनी राइफल शूटिंग क्षमता का प्रदर्शन करते हुए देश के दिग्गज खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। चिंकारा शूटिंग रेंज के कोच करणवीर सिंह राठौड़ ने कनिष्क की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि कनिष्क ने लगातार अभ्यास, अनुशासन और कठिन परिश्रम के दम पर यह मुकाम हासिल कर नेशनल के लिए क्वालीफाई किया है, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। कनिष्क शर्मा की उपलब्धि पर परिवारजनों, शिक्षकों, रेंज के प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने खुशी जताते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। कनिष्क ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच करणवीर सिंह और परिजनों को देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना है।कनिष्क के इस प्रदर्शन ने साबित कर दिया है कि समर्पण और निरंतर अभ्यास के साथ बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं। अब प्रदेश और क्षेत्र की निगाहें दिसंबर में होने वाली नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी।

प्रमोद जैन भाया की जीत पर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग में खुशी की लहर

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा उप चुनाव में कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया की ऐतिहासिक जीत होने पर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के कार्यकर्ताओं ने अंजुमन चौराहा पर आतिशबाजी कर एक दूसरे को लड् खिलाकर मुंह मीठा कराया ओर जीत की खुशियां मनाई। इस दौरान वरिष्ठ नेता जाकिर मंसूरी, अशरफ देशवाली, वक्फ बोर्ड कमेटी के चेयरमैन इरफान अंसारी, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के शाहिद कुंडी, नासिर मिर्जा, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, कलाम स्टोन, रशीद लोढ़ी, गाजी मसूद, हमीद भाई टेंट, हसन भाई, मोहम्मद जफर, मुन्ना पठान, इशरत खान, अशफाक खान, शाहिद भाई गोश्त, अकील शादाब, इरफ़ान भाई, खादिम भाई आदि लोग मौजूद रहे।

विधिक जागरूकता समाज में न्याय के प्रति विश्वास को मजबूत करती है- रविन्द्र कुमार

-जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला मुख्यालय पर आयोजित हुआ पुरस्कार वितरण समारोह

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित केशर देवी सोती सीनियर सैकण्डरी स्कूल में शुक्रवार को 'पुरस्कार वितरण समारोह' में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष (जिला एवं सत्र न्यायाधीश) रविन्द्र कुमार, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, पुलिस अधीक्षक जय यादव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डॉ शरद कुमार व्यास, पोक्सो न्यायाधीश अनिल गुप्ता, एससी/एसटी न्यायाधीश योगिता पारीक, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेंद्र चौधरी, सीजेएम हरीश कुमार, जेएम शिवानी, प्रधानाचार्य किशनलाल सैनी सहित ट्रेनी मजिस्ट्रेट आदि अतिथियों ने शिरकत की। अतिथियों ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित तीन अंर्तविद्यालयी विधिक जागरूकता संदर्भित विभिन्न प्रतियोगिताओं में 53 विजेताओं तथा विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इससे पूर्व अतिथियों ने बच्चों की पेंटिंग्स आदि की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविन्द्र कुमार ने कहा कि विधिक जागरूकता समाज में न्याय के प्रति विश्वास को मजबूत करती है। समाज को अधिकारों व कानूनों के प्रति जागरूक करने के लिए भावी पीढ़ी को जागरूक करना होगा। अभिभावक बच्चों में अच्छी आदतों का विकास करें तथा स्वयं व परिवेश से शुरूआत करते हुए समाज को जागरूक करें। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके अधिकारों की रक्षा करना हमारा नैतिक दायित्व है। बच्चों को मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों व संवैधानिक मूल्यों के बारे में समुचित जानकारी रहे समुचित निर्वहन से बेहतरीन नागरिक समझ विकसित हो। उन्होंने कहा कि बच्चों जिज्ञासा व सृजनात्मकता का विकास करें तथा निरंतर सीखते हुए विकसित राष्ट्र व समाज के संकल्प को साकार करें। पुलिस अधीक्षक जय यादव ने कहा कि कानून का ज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता है। बच्चे समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक हैं। कानून के साथ-साथ अनुशासन और नैतिक आचरण हमारा प्राथमिक संकल्प होना चाहिए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सचिव डॉ शरद कुमार व्यास ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य हर वर्ग तक विधिक सहायता और जागरूकता पहुंचाना है। विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों और कानूनी अधिकारों के प्रति रुचि व जागरूकता के लिए विद्यालयों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2025 के दौरान विद्यालयी छात्र/छात्राओं में कानूनी विधिक जागरूकता फैलाने के लिये चूरू मुख्यालय पर एक नवाचार की पहल कर चूरू मुख्यालय के चयनित विद्यालयों के विद्याथियों के मध्य अंतर - विद्यालयी प्रतियोगिताओं एवं विधिक जागरूकता शिविरों के माध्यम से जागरूक किया गया। इस अभियान के तहत चूरू क्षेत्र के 11 प्रतिष्ठित विद्यालयों का चयन कर 11 लीगल अवेयरनेस क्लब का गठन किया गया। इस अनुक्रम में वर्ष 2025 में जिला मुख्यालय पर वाद-विवाद, निबंध, पोस्टर बनाना, भाषण एवं लघु नाटिका पर केंद्रित तीन अंतर - विद्यालयी विधिक जागरूकता प्रतियोगिताओं का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया, जिनमें जिला मुख्यालय के 11 विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा भाग लिया गया। इस मुहिम मे आयोजित किये गये तीन अंतर - विद्यालयी विधिक जागरूकता संदर्भित विभिन्न प्रतियोगिताओं में क्रमशः 88, 97, व 125 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया और उनमें से 53 विजेताओं को सम्मानित किया गया है। विद्यालय प्रधानाचार्य किशनलाल सैनी ने आभार जताया। विद्यार्थियों ने सांस्कृति प्रस्तुतियां दी तथा विद्यालय के दीपक सिंह ने देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी। इस दौरान एएसपी डॉ कृष्णा सामरिया, विधि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एसके सैनी, पीपी रोशन सिंह, एडवोकेट नरेन्द्र सैनी, सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़, ओमप्रकाश फगेड़िया सहित न्यायिक अधिकारी, अधिवक्तागण व विद्यार्थी मौजूद रहे। संचालन मुकुल भाटी ने किया।

सड़क सुरक्षा अभियान में जन जागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ लगातार सख्त प्रवर्तन कार्यवाही

अजमेर (रॉयल पत्रिका) । राज्य सरकार द्वारा संचालित सड़क सुरक्षा कार्यक्रम में परिवहन एवं सड़क सुरक्षा जन जागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ लगातार सख्त प्रवर्तन कार्यवाही की जा रही है। जिला परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राजीव शर्मा ने बताया कि विभाग के उड़नदस्तों द्वारा अभियान के दौरान अब तक 1064 वाहनों के चालान बनाए गए है। इससे 34.21 लाख रूपये राजस्व वसूली की गई है। इनमें ओवरलोड वाहनों के 85, भारी वाहनों में यात्रियों के परिवहन पर 31, सड़क सुरक्षा से संबंधित 807, बसों की छतों पर माल परिवहन के 5, बसों के सड़क सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के उल्लंघन पर 138, ओवर क्राउडिंग पर 34 वाहनों के चालान बनाए गए। 92 वाहन जब्त किए गए। सड़क सुरक्षा संबंधी अपराधों पर 51 चालकों के लाईसेंस, 4 वाहनों के परमिट एवं एक वाहन की आरसी निलंबन की अनुशंषा की गई है। अभियान के दौरान 324 वाहनों पर रिफ्लेक्टीव टेप लगाने की कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान विभाग के उड़नदस्तों द्वारा लगातार स्कूलों में सड़क सुरक्षा जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। अब तक 10 स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके है। साथ ही स्कूलों में संचालित बालवाहिनी वाहनों का भी निरीक्षण किया जा रहा है। अब तक 175 बालवाहिनी वाहनों का निरीक्षण कर बसों की फिटनेस, बस में विभिन्न आवश्यक सुरक्षा मानकों की पालना कराई गई है। इसके अलावा जिले के विभिन्न टोल नाकों पर चिकित्सा विभाग की टीम के माध्यम से परिवहन निरीक्षकों द्वारा लगातार हल्के एवं भारी वाहनों के वाहन चालको की नेत्र जांच की जा रही है।

सियासत
राजेंद्र बज

राजनीति में अनावश्यक टकराव को टालना चाहिए

लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के चलते यह बहुत स्वाभाविक है कि नेतृत्व की कार्यशैली पर टीका टिप्पणी की जाए। लेकिन विषय विशेष को लेकर नेतृत्व के प्रति व्यक्त की गई सहमति को अंधभक्ति करार देना कतई उचित नहीं कहा जा सकता। एक अरसे से मीडिया के अलग-अलग अंगों में नेतृत्व के प्रति विश्वास को अंधभक्ति के रूप में परिभाषित किया जा रहा है। अपितु समर्थन या विरोध को अलग-अलग शब्दावली में निरूपित किया जा रहा है। ऐसे में मीडिया का वह वर्ग जो तटस्थ है, उसे भी उसकी किसी भूमिका को लेकर उक्त श्रेणी में शुमार किया जाने लगा है। यह सिलसिला निरंतर जारी है। दरअसल वर्तमान परिस्थितियों में सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष व्यक्ति विशेष के पक्ष या विपक्ष में विभाजित होते देखे जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में वस्तुस्थिति ज्ञात करना जटिल होता जा रहा है। राजनीतिक परिदृश्य में खंड-खंड प्रतिपक्ष के चलते नेतृत्व विरोधी मानसिकता असंगठित और बिखरे हुए प्रतिपक्ष के रूप में कार्य कर रही है। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों के लिए विषय विशेष पर अपनी अटल धारणा बना लेना जटिल हो रहा है। इन दिनों राजनीतिक बयानबाजी निष्पक्ष अथवा तटस्थ होने के स्थान पर पूर्वाग्रहयुक्त दिखाई देती है। यही नहीं, आम नागरिकों के भी अपने अपने पूर्वाग्रह हैं। इसी आधार पर नेतृत्व को कसौटी पर कसा जा रहा है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में विचारधारा का ध्रुवीकरण स्पष्ट तौर पर नजर आता है। एक वर्ग नेतृत्व के समर्थन में नजर आता है तो दूसरा वर्ग नेतृत्व के विरोध में गतिशील दिखाई देता है। दलीय राजनीति का व्यक्ति केंद्रित हो जाना चिंता का विषय हो सकता है, किंतु नेतृत्व की नेक नियत के चलते यह स्थिति सुखकारी सिद्ध हो रही है। इन परिस्थितियों के चलते आम नागरिक भी विषय विशेष पर अपना स्पष्ट अभिमत नहीं बना पाता। विशेष रूप से इस दशक में देखते-देखते दलीय राजनीति अपना स्वरूप बदलकर व्यक्तिवादी राजनीति में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है। निश्चित रूप से लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में व्यक्ति विशेष का दल विशेष से ऊपर हो जाना, अतिरिक्त रूप से गंभीर चिंता का विषय हो सकता है। इतना जरूर है कि वर्तमान नेतृत्व में राष्ट्रवादी विचारधारा को पर्याप्त सम्मान मिला है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात राष्ट्र की एकता और अखंडता को लेकर जो परिस्थितियां प्रश्नचिन्ह लगाती थी, उसका सफल उपचार भी किया गया है। कुल मिलाकर नेतृत्व की कार्यक्षमता और नेक नियति पर कोई गंभीर सवाल भी नहीं उठाया गया है। जाहिर है कि जिनके स्वार्थ आहत हुए, वे शोर मचाए जा रहे हैं। राजनीति में शुचिता और पवित्रता का वातावरण नए सिरे से स्थापित करने में नेतृत्व की सफलता निर्विवाद है। इन दिनों राजनीतिक पूर्वाग्रहों की प्रबलता कुछ इस कदर है कि नीति और सिद्धांतों को ताक पर रखकर बेमेल राजनीतिक समझौते किए जा रहे हैं। वर्तमान दौर में प्रतिपक्ष की एकमात्र चिंता का कारण वह नेतृत्व है, जिसे जनमत के बहुमत का समर्थन स्पष्ट तौर पर प्राप्त है। माना कि राजनीतिक दलों की राजनीति का एकमात्र उद्देश्य सत्ता प्राप्ति हो सकता है। लेकिन यह लक्ष्य व्यापक जनहित के प्रति समर्पित भूमिका का निर्वहन करने के लिए होता है। ऐसी स्थिति में जनादेश के संकेतों को न समझ पाना, प्रतिपक्ष द्वारा हकीकत को नजरअंदाज करने के समकक्ष होगा। जितना विरोध नेतृत्व का किया गया, उतनी ही तेजी से वह नेतृत्व और अधिक सशक्त जनाधार पाता गया। आज मीडिया के एक वर्ग विशेष में नेतृत्व के प्रति सहमति को अंधभक्ति के रूप में निरूपित किया जा रहा है। आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला निरंतर जारी है। समर्थन के लिए समर्थन किया जा रहा है और विरोध के लिए विरोध किया जा रहा है। ऐसे दौर में राजनीतिक विचारधारा दो भागों में विभक्त दिखाई देती है। यह अजीब बात है कि यह विचारधारा दल विशेष से कहीं ज्यादा व्यक्ति विशेष के प्रति समर्थन या विरोध में मुखरित हो रही है। आखिर यह सिलसिला किस मुकाम पर जाकर थमेगा ? कथित तौर पर लोकतंत्र में विभिन्न राजनीतिक दल अपनी अपनी नीति और सिद्धांतों के आधार पर सक्रिय होते हैं। राजनीति का उद्देश्य व्यापक जनहित के प्रति समर्पित भूमिका का निर्वहन करना होता है। सत्ता सैद्धांतिक रूप से जनहित का साधन होती है। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में सत्ता को साध्य मान लिया गया है। सत्ता के लिए नीति और सिद्धांतों को दरकिनार कर देना, राजनीतिज्ञों का मुख्य शगल बन गया है। राजनीतिक दलों के बेमेल गठबंधन को सामूहिक भय का ही प्रत्यक्ष परिणाम माना जा सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

क्या आप पूर्ण रूप से सुखी है

संकलित
दर्शन

वर्ष 1920 में योगानंद जी जब अमेरिका गए थे, तो उस समय अमेरिका पूरे उत्साह में था। उस समय वह पूंजीवाद के अपने दर्शन को लेकर तेजी से प्रगति कर रहा था। योगानंद जी अनेक सफल व्यवसायियों और औद्योगिक संस्थानों के प्रमुखों इत्यादि से मिले और उन सबने यह स्वीकार किया कि योगानंद जी उनके मध्य उस वस्तु को लेकर आए थे, जिसकी उनके जीवन में कमी थी। मैं आपको एक छोटा-सा मनोरंजक वृत्तांत सुनाता हूं : जब वे न्यू यार्क नगर में व्याख्यान दे रहे थे तो एक व्यक्ति ने उनसे भेंट करने की अनुमति मांगी। वह व्यक्ति उनके होटल के कमरे में आया और इससे पूर्व कि योगानंद जी कुछ कहते, उसने एक चुनौतीपूर्ण ढंग से कहा, 'मैं अत्यधिक धनवान हूं, मैं पूर्ण रूप से स्वस्थ हूं,' जिसका अर्थ यह था कि 'आप यहां किसलिए आए हैं?' योगानंद जी ने उसे तुरंत उत्तर दिया, 'हां, किंतु क्या आप पूर्ण रूप से सुखी हैं?' बाद में उस व्यक्ति ने कहा, 'मैं निरुत्तर हो गया था!' उस व्यक्ति ने अपना शेष जीवन एक क्रियायोगी के रूप में व्यतीत किया। बाह्य रूप से वह करोड़पति उद्योगपति था, परंतु अंदर से वह एक प्रबुद्ध योगी था। यह कह पाना और एक अद्भुत अनुभूति है कि ईश्वर की इच्छाशक्ति से सशक्त हुई मेरी इच्छाशक्ति मेरे लक्ष्य को पूरा करेगी। यदि आप आलसवश सब कुछ दिव्य शक्ति पर छोड़ देते हैं और ईश्वर द्वारा आपको दी गई अपनी इच्छाशक्ति की अवहेलना करते हैं तो परिणाम प्राप्त नहीं होंगे।

दो अनमोल हीरे

संकलित
प्रेरणा

एक व्यापारी को बाज़ार में घूमते हुए एक बहुत अच्छी नस्ल का ऊँट दिखाई पड़ा। व्यापारीव्यापारी ऊंट खरीद कर घर ले आया। घर पहुंचने पर व्यापारी ने अपने नौकर को ऊँट का कजावा (काठी) निकालने के लिए बुलाया। कजावे के नीचे नौकर को एक छोटी सी मखमल की थैली मिली जिसे खोलने पर उसे कीमती हीरे जवाहरात भरे होने का पता चला। नौकर चिल्लाया, मालिक आपने ऊंट खरीदा, लेकिन देखो, इसके साथ क्या मुफ्त में आया है। व्यापारी बोला- मैंने ऊंट खरीदा है, न कि हीरे, मुझे उसे तुरंत वापस करना चाहिए। नौकर बोला- मालिक किसी को पता नहीं चलेगा। पर, व्यापारी ने एक न सुनी और वह तुरंत बाज़ार पहुंचा और दुकानदार को मख़मली थैली वापिस दे दी। ऊँट बेचने वाला बहुत खुश था। अब आप इनाम के तौर पर कोई भी एक हीरा चुन लीजिए। व्यापारी बोला- मैंने ऊँट के लिए सही कीमत चुकाई है इसलिए मुझे किसी शुक्राने और उपहार की जरूरत नहीं है। अंत में व्यापारी ने मुस्कुराते हुए कहा- जब मैंने थैली वापस लाने का सोचा तो मैंने पहले से ही दो सबसे कीमती हीरे इसमें से अपने पास रख लिए थे। इस कबूलनामें के बाद ऊँट बेचने वाला भड़क गया उसने अपने हीरे जवाहरात गिनने के लिए थैली को तुरंत खाली कर लिया। पर वह था बड़ी पशोपेश में बोला- मेरे सारे हीरे तो यहीं है, तो सबसे कीमती दो कौन से थे जो आपने रख लिए? व्यापारी बोला- मेरी ईमानदारी और मेरा आत्म सम्मान। जिस-जिस के पास यह 2 हीरे है वह दुनियां के सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

सोने की बढ़ती कीमतों पर लगे लगाम

भारतवर्ष कभी सोने की चिड़िया थी और भारत था भी सर्वाधिक सम्पन्न देश। टनों के हिसाब से सोना मंदिरों और पूजा-स्थलों में भरा था। आततायिों ने मंदिरों को तहस नहस कर अपने देशों को समृद्ध बनाया। ऐसा वे बार बार करते रहे और भारत के सोने के भंडार खाली नहीं होते थे। आजकल सोना इतना महंगा हो गया कि गरीब बेटी के हाथ पीले करने के बारे में सोच नहीं सकता, और गरीब की पहुंच से परे पीली धातु का होना एक अभिशाप बन गया। कारण चाहे कुछ भी हो, सोने के दाम एक लाख रुपए ऊपर चले जाना बड़ी एवं दु:खद बात है। एक बात स्पष्ट है कि एक विशाल सम्पन्न देश इसकी बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने में विफल है या नियंत्रण लगाना ही नहीं चाहता। इस पर नियंत्रण होना चाहिए।

- सुरेश साहू, बलौदाबाजार

करंट अफेयर

रियाद में भारतीय संस्कृति और सऊदी दोस्ती का जश्न

भारतीय प्रवासियों को घर जैसा महसूस करने तथा सऊदी अरब के मूल निवासियों को भारत की जीवंत संस्कृति एवं विरासत का अनुभव करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करने के लिए हाल ही में सऊदी अरब की राजधानी रियाद में संपन्न हुआ 'इंडिया वीक' कार्यक्रम एक शानदार पहल रहा। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और पारंपरिक शिल्प से लेकर विविध क्षेत्रीय व्यंजनों तक, यहां अल-सुवेदी पार्क दो से 10 नवंबर तक एक जीवंत 'मिनी इंडिया' में तब्दील हो गया। 'वैश्विक सद्भाव' पहल के दूसरे संस्करण के तहत इसका आयोजन सऊदी अरब के मीडिया मंत्रालय और सामान्य मनोरंजन परिषद (जीईए) द्वारा किया गया। पार्क में यह कोई सामान्य दिन नहीं था क्योंकि कार्यक्रम में गायिका कनिका कपूर और रैपर एमसी स्टेन के प्रदर्शन के साथ-साथ पारंपरिक भारतीय लोक नृत्यों की रंगारंग परेड ने जान डाल दी, जिसमें भारी भीड़ और उत्साही भागीदारी देखने को मिली। भांगड़ा की ऊर्जावान धुनों पर थिरकते कलाकारों, रंगारंग राजस्थानी लोक नृत्य और गुजराती गरबा की धूम ने भारतीय प्रवासियों को घर जैसा अहसास कराया जबकि सउदी के लोगों के लिए भी यह एक शानदार अनुभव रहा।

ऑफ बीट

मगरमच्छ के 5.5 साल पुराने अंडे के खोल मिले

दक्षिण-पूर्व क्वींसलैंड में ब्रिस्बेन से लगभग 250 किलोमीटर दूर मुरगॉन नामक छोटा शहर स्थित है। देश की यह बस्ती लगभग 2,000 लोगों की आबादी का घर है और दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण जीवाश्म स्थलों में से एक मानी जाती है। पिछले कुछ दशकों में जीवाश्म वैज्ञानिकों ने मिट्टी के भीतर 5 .5 करोड़ साल पुराने कई महत्वपूर्ण अवशेष खोजे हैं। इनमें दुनिया के सबसे पुराने, गाने वाले पक्षियों के जीवाश्म, ऑस्ट्रेलिया में पाए गए केवल ज्ञात सैलामेंडर के जीवाश्म और ऑस्ट्रेलिया के सबसे पुराने मार्सुपियल जीवाश्म शामिल हैं। हाल ही में 'जर्नल ऑफ वर्टिब्रेट पैलेन्टोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया में अब तक के सबसे पुराने मगरमच्छ के अंडे के खोल खोजने की जानकारी दी है। अंडे के ये खोल अब एक नए प्रकार के अंडे की पहचान के लिए आधार बन गए हैं, जिसे 'वक्काऊलिथस गॉडथेल्पी' नाम दिया गया है। ये अब विलुप्त हो चुके मेकोसुकाइन मगरमच्छ समूह के सबसे पुराने ज्ञात सदस्य से संबंधित हैं। यह खोज उनके विकास और उन जंगल-पथ वाले दलदली क्षेत्रों की जानकारी देती है जिनमें वे रहते थे।

ट्रेंड

विशेष बुद्ध अवशेष

मेरी भूटान यात्रा ऐसे समय में हुई है जब इस देश के लोग ऐतिहासिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। यह चतुर्थ ड्रुक ग्यालपो की 70वीं जयंती है, वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव चल रहा है और भारत से विशेष बुद्ध अवशेष यहां लाए गए हैं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

बाल निमोनिया के लिए पहल

बाल निमोनिया को कम करने के लिए, सांस (सामाजिक जागरूकता और निमोनिया को सफलतापूर्वक निष्क्रिय करने की कार्रवाई) शुरू की है ताकि स्वास्थ्य प्रणालियों, सामुदायिक जागरूकता से बाल निमोनिया को कम किया जा सके।

-जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

कुछ रोगों का इलाज नहीं

गिरगिट चाहे कितना भी रंग बदल ले, वह गिरगिट ही रहेगा। जिसे 'वंदे मातरम' से समस्या है, वह देश के लिए भी समस्या है। दिल्ली बम विस्फोट ने यह पुनः प्रमाणित कर दिया है कि शिक्षा से कुछ बीमारियों का इलाज नहीं हो सकता।

- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

कमिटमेंट पूरा किया

हमने जो कमिटमेंट किया था, उसे पूरा किया.. बहनों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए हम 'लाड़ली बहना योजना' की राशि निरंतर बढ़ाएंगे। इस अवसर पर 560.75 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण भी किया।

- डा. मोहन यादव, सीएम, मध्यप्रदेश

रॉयल पत्रिका

कविता कृष्णमूर्ति ने इंडियन आइडल 16 में बनाया यादगार पल

कंटेस्टेंट सुहैल संग गाया 'हवा हवाई' गाना

इंडियन आइडल 16 का ग्रैंड प्रीमियर 'यादों की प्लेलिस्ट' थीम के साथ पुरानी यादों से भरा रहा। इस खास एपिसोड 'प्रीमियर पार्टी' में जब मशहूर गायिका कविता कृष्णमूर्ति आईं, तो माहौल और भी खास हो गया। शाम पहले ही जोश से भरी थी, लेकिन उनकी एंट्री ने उसे सच में एक संगीत भरे त्योहार में बदल दिया। स्टेज पर जाने से पहले कविता कृष्णमूर्ति ने अपनी खुशी जताते हुए कहा, '90 का दशक दिल छू लेने वाले गीतों, गहरी भावनाओं, सच्चे रोमांस और थोड़े ग्लैमर से भरा हुआ था और इंडियन आइडल की प्रीमियर पार्टी में मैंने वही दौर फिर से महसूस किया। उस खूबसूरत वक्त को जीने के बाद, आज इन नए गायकों को इतने आत्मविश्वास और जुनून के साथ गाते देखना सच में 90 के सुनहरे दौर की याद दिला गया। मैं सभी कंटेस्टेंट्स को शुभकामनाएं देती हूं और दर्शकों से कहूंगी, इस वीकेंड इंडियन आइडल की प्रीमियर पार्टी मिस मत करना, यह एक ऐसा म्यूजिकल जश्न है जिसे आप लंबे समय तक याद रखेंगे। 'वह पल तब आया जब कंटेस्टेंट सोहेल ने अपने जोश से भरे परफॉर्मेंस 'मेरा पिया घर आया' से स्टेज पर आग लगा दी। इसके बाद उन्होंने एक शानदार रैप पेश किया, जिसमें उनका खुला अंदाज़ और अलग स्टाइल साफ झलक रहा था। उनकी आत्मविश्वास भरी परफॉर्मेंस ने जजों को तुरंत प्रभावित कर दिया। लेकिन रात का माहौल तब जादुई हो गया जब 'हवा हवाई' गाने की पहचानी जाने वाली धुन स्टूडियो में बजने लगी। इसी के साथ कविता कृष्णमूर्ति का शानदार प्रवेश हुआ। दर्शक खुशी से झूम उठे, और सोहेल, बहुत भावुक होकर, इस मशहूर सिंगर से स्टेज पर उनके साथ वही गाना गाने की रिक्वेस्ट करने लगे। सबकी खुशी के लिए, कविता जी ने न सिर्फ सुहैल की रिक्वेस्ट मानी बल्कि उस परफॉर्मेंस को एक असली जश्न में बदल दिया। थोड़ी ही देर में श्रेया घोषाल और हंस राज हंस भी स्टेज पर आ गए और साथ में गाने लगे। फिर विशाल ददलानी और बादशाह ने भी आवाज़ मिलाई और इस तरह एक ऐसा पल बना, जब पूरे जज पैनल ने मिलकर गाया, जो इस सीज़न में शायद सिर्फ एक बार देखने को मिलेगा। यह अचानक, खुशी से भरी हुई मिलकर गाने वाली प्रस्तुति 'प्रेमियर पार्टी' एपिसोड का सबसे खास पल बन गई। यह सोहेल की जोशीली ऊर्जा और कविता कृष्णमूर्ति की हमेशा चमकती मौजूदगी का सबूत थी। पुरानी यादों, जोरदार गायकी और बिना योजना के संगीत के इस मेल ने 'यादों की प्लेलिस्ट' की असली भावना को पूरी तरह दिखा दिया। कविता कृष्णमूर्ति की शानदार मौजूदगी और जजों द्वारा अचानक मंच पर शामिल होने के साथ, इंडियन आइडल 16 का प्रीमियर अपने यादगार और पुरानी यादों भरे संगीत सफर का एक और हमेशा याद रहने वाला अध्याय बन गया है।

वेवबैंड प्रोडक्शन ने रिलीज किया मस्ती 4 का धमाकेदार गाना 'रसिया बलमा'

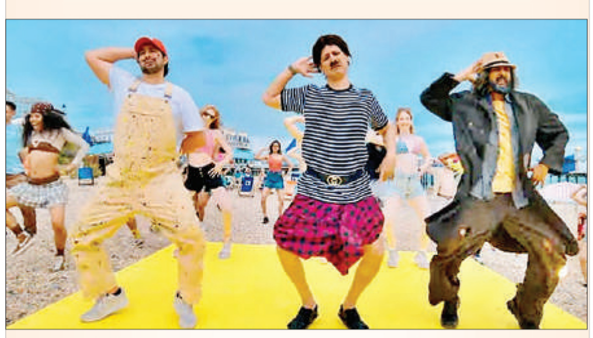

वेवबैंड प्रोडक्शन ने मस्ती 4 का धमाकेदार गाना 'रसिया बलमा' रिलीज कर दिया है। मस्ती 4 को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। विशेष रूप से ट्रेलर और इसके हिट गीत पकड़ पकड़ के बाद अब मेकर्स ने एक और धमाकेदार गाना रसिया बलमा रिलीज किया है, जो फिल्म के रंगीन और मस्तीभरे मूड को पूरी तरह दर्शाता है। यूके की खूबसूरत लोकेशंस पर बड़े पैमाने पर शूट किया गया यह गाना खास इसलिए भी है, क्योंकि इसमें ओरिजिनल मस्ती बॉयज़ रितेश देशमुख, विवेक ओबरॉय और आफताब शिवदासानी अपने मजेदार बहुरूपिए अवतार में नजर आ रहे हैं। फिलहाल इसमें इनके साथ तुषार कपूर, रुही सिंह, श्रेया शर्मा, एलनाज़ नोरौज़ी, शाद रंधावा और निशांत मलकानी भी हैं, जो इसे विजुअली और भी ग्रैंड बनाते हैं। दर्शन राठौड़ और पायल देव के स्वरों से सजे इस गीत को सुरों से संजय-दर्शन की जोड़ी ने सजाया है और गीत के बोल संजीव चौतुर्वेदी ने लिखे हैं । गाने के बारे में बात करते हुए गायक दर्शन राठौड़ ने कहाकि 'रसिया बलमा' ऐसा ट्रैक है, जो सुनते ही आपको डांस फ्लोर पर खड़ा कर देता है! हमने इसमें पुराने ज़माने की मस्ती और देसी वाइब को मॉडर्न बीट्स के साथ मिलाने की कोशिश की है, और इसे बनाते वक्त खूब मज़ा आया। निर्देशक मिलाप मिलन ज़वेरी ने अपने उत्साह को साझा करते हुए कहा कि मस्ती 4 मेरी हंसी के नाम लिखी लव लेटर है। ये दोस्ती, प्यार और उन पागलपन भरे पलों की कहानी है, जो हम सब करते हैं। 'रसिया बलमा' फिल्म की आत्मा को बखूबी दर्शाता है, जो रंगीन, जोशीला और मस्ती से भरपूर है! हमारे बॉयज़ वापस आ गए हैं, और इस बार पागलपन एक नए स्तर पर है। फिल्म में इस बार नर्गिस फाखरी और अरशद वारसी भी धमाल मचाने वाले हैं।

एक्ट्रेस ने खोल दिया राज

शुभमन गिल से क्या है शहनाज का रिश्ता

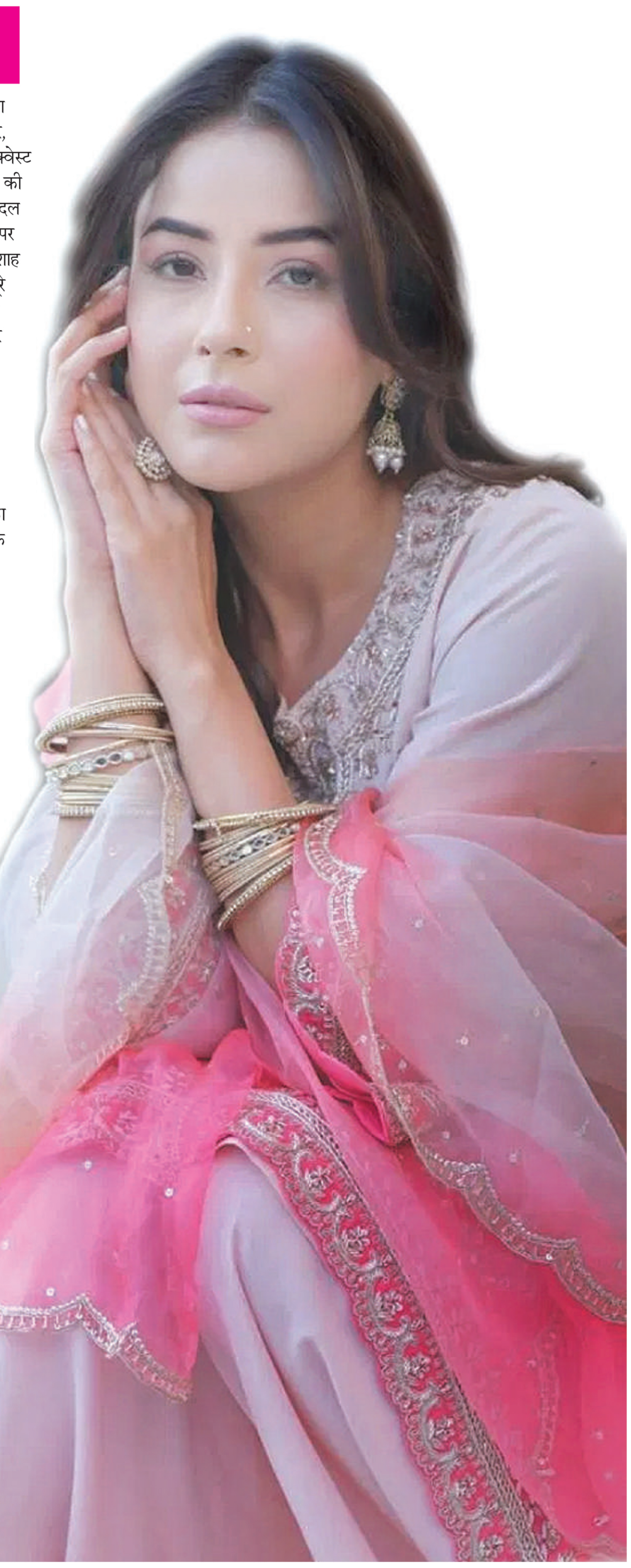

टीवी के साथ अब शहनाज गिल फिल्मी दुनिया का भी हिस्सा बन गई हैं। हाल ही में वो अपनी फिल्म 'इक कुड़ी' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसी दौरान शहनाज गिल ने इंडियन क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलासा किया है शहनाज गिल को बिग बॉस से खास पहचान मिली है, हालांकि उन्होंने गाने के जरिए पहले ही पंजाब में नाम कमा लिया था। हाल ही में एक्ट्रेस अपनी पंजाबी फिल्म इक कुड़ी को लेकर चर्चा बटोर रही हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ने अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ पर खुलकर बात की। इस दौरान उनका और इंडियन क्रिकेटर शुभमन गिल के बीच कनेक्शन के बारे में भी पूछा गया है। एक्ट्रेस से सवाल किया गया कि क्या शुभमन गिल उनके रिश्ते में आते हैं। दरअसल, ये सवाल दोनों के एक जैसे सरनेम होने की वजह से सामने आया. इस सवाल को सुनते ही शहनाज हंसने लगीं। शहनाज ने इसका जवाब देते हुए बताया कि शुभमन गिल भी उधर की तरफ के हैं, जहां से वो हैं। एक्ट्रेस ने आगे जवाब देते हुए कहा कि होगा कोई मेरा दूर का कजिन। वो हमारे अमृतसर साइड से ही है। मजाकिया अंदाज में शहनाज ने कहा कि जब वो ट्रेंड कर रहा होता है तो बीच में मैं भी ट्रेंड करने लगती हूं। उन्होंने कहा कि मैंने खुद से पूछा तो लगा कि होगा हमारा दूर का कोई भाई बहन वाला कनेक्शन। इस बातचीत के दौरान शहनाज ने शुभमन की और उनके गेम की तारीफ भी की है। साथ ही उन्होंने खुलासा करते हुए बताया कि उनका फेवरेट क्रिकेटर विराट कोहली है, जिनकी वजह से उन्होंने क्रिकेट देखना शुरू किया था।

अरशद वारसी ने की आर्यन खान के निर्देशन की तारीफ

अरशद वारसी हाल ही में आर्यन खान की वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में नजर आए। इसमें उन्होंने गफूर का किरदार निभाया। एक इंटरव्यू में अरशद ने कहा कि इस भूमिका की सफलता का पूरा श्रेय आर्यन खान को जाता है। अरशद ने कहा, आर्यन खान, जो इस सीरीज के निर्देशक हैं बहुत ही खास व्यक्ति हैं। वे उन निर्देशकों में से हैं जिनके दिमाग में हमेशा एक फिल्म चलती रहती है। मैंने सीरीज में छोटा सा रोल इसलिए किया क्योंकि मुझे आर्यन और शाहरुख पसंद हैं, लेकिन इसका असर बहुत बड़ा हुआ। उनके साथ काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि आर्यन उन निर्देशकों में से हैं जिनकी बात सुनकर आप सच में उसका पालन करना चाहते हैं।अरशद वारसी ने आगे बताया कि उनके किरदार में जो कुछ भी देखा गया, वह सब आर्यन ने ही लिखा और कल्पना किया था। इस गाने और उनके किरदार गफूर की सफलता पूरी तरह आर्यन के कारण है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि आर्यन में निर्देशक बनने की सभी खूबियां हैं। बताते चलें कि सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड से आर्यन खान ने डायरेक्टोरियल डेब्यू किया है। सीरीज कई वजहों से विवादों रही। पहला विवाद रणबीर कपूर के बिना डिस्क्लेमर के ई-सिगरेट पीने पर हुआ है। और दूसरा विवाद समीर वानखेड़े की छवि बिगाड़े जाने के आरोपों से है।

गोविंदा बेहोश होकर जमीन पर गिरे, मुंबई के अस्पताल में भर्ती

अभिनेता गोविंदा को मंगलवार देर रात अपने आवास पर बेहोश होने के बाद अस्पताल ले जाया गया। यह घटना उनके घर पर ही हुई, जिसके बाद उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। उनके वकील और मित्र ललित बिंदल के अनुसार, अभिनेता को आपातकालीन विभाग में ले जाने से पहले लगातार बेचैनी महसूस हो रही थी। बिंदल ने गोविंदा की हालत पर अपडेट साझा करते हुए इंडिया टुडे को बताया, 'वह थोड़ा विचलित महसूस कर रहे थे। सभी परीक्षण हो चुके हैं, और अब हम रिपोर्ट और न्यूरो परामर्श की राय का इंतज़ार कर रहे हैं। अब उनकी हालत स्थिर है। ' समुद्र किनारे दिखा अनोखा जीव! चिकित्सा कर्मचारियों ने पूरी जाँच की, और अभिनेता की वर्तमान स्थिति स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टर अब आगे की देखभाल के लिए न्यूरोलॉजिकल परामर्श के परिणामों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। भर्ती होने के बाद से कोई और जटिलता सामने नहीं आई है। गोविंदा को अस्पताल में भर्ती कराने की घटना एक साल से भी कम समय पहले हुई थी, जब उनके पैर में गोली लगी थी। यह दुर्घटना पिछले साल अक्टूबर में हुई थी, जब अभिनेता अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर संभाल रहे थे। गोविंदा के दोस्त ललित बिंदल ने अभिनेता गोविंदा के बारे में पीटीआई से बात की। उन्होंने कहा, 'आज शाम घर पर उनकी अचानक तबियत बिगड़ गई, फिर उन्होंने मुझे फ़ोन किया। मैं उन्हें क्रिटिकल केयर अस्पताल ले आया। वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनकी जाँच जारी है।' जैसे ही यह खबर सामने आई, यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। अभिनेता के दोस्त ललित बिंदल ने भी इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के ज़रिए यह जानकारी साझा की। उन्होंने एक नोट साझा करते हुए लिखा, 'मेरे प्रिय और आदरणीय गोविंदा को भटकाव और बेहोशी की शिकायत के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। '

जब राज कुमार ने दिलीप कुमार पर निकाली भड़ास!

शराब की बोतल में लपेटी दिग्गज की तस्वीर

हिंदी सिनेमा के दिग्गज सुपरस्टार राज कुमार और दिलीप कुमार के चर्चे आज भी होते हैं। दोनों ही फिल्मी दुनिया के चमकते हुए सितारे थे।।हालांकि दोनों के बीच एक बार अनबन हो गई थी, जिसके बाद राज कुमार ने अपने अंदाज में भड़ास निकाली थी। भारतीय सिनेमा के दो सबसे बड़े सुपरस्टार राज कुमार और दिलीप कुमार के बीच एक बार बहुत बड़ा झगड़ा हुआ था। साल 1959 में अपनी फिल्म 'पैगाम' की शूटिंग के दौरान, एक सीन में जब राज कुमार को दिलीप कुमार को थप्पड़ मारना था। शूटिंग के दौरान उन्होंने इतनी ज़ोर से थप्पड़ मारा कि इसका उन पर गहरा असर पड़ा और कहा जाता है कि दिलीप कुमार ने उनके साथ फिर कभी काम न करने की कसम खा ली थी।।हालांकि लगभग तीन दशक बाद दोनों ने एक फिल्म में साथ काम किया, लेकिन यह उस समय की बात है जब दोनों के बीच बातचीत बंद थी और वे एक शो के लिए दुबई गए थे। एक इंटरव्यू के दौरान अबू मलिक ने बताया कि कैसे राज कुमार ने दिलीप कुमार की तस्वीर को शराब की बोतल में लपेटकर शो के निर्माता को भेजा था।

भोजपुरी स्टार नीलम गिरी 'बिग बॉस' 19 को बताया 'करियर का सबसे बड़ा पड़ाव', बॉलीवुड में एंट्री की तैयारी?

जब नीलम गिरी 'बिग बॉस' 19 के घर से बाहर निकलीं, तो उन्हें इस तरह की भावनात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं थी। जब उन्होंने अपने घरवालों को रोते देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि उन्होंने शो में बिताए समय 9में कितना कुछ कमाया है, जो उनके अनुसार, कहीं ज़्यादा कीमती है। भोजपुरी अदाकारा ने स्वीकार किया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनके जाते समय और उसके बाद भी लोग इतना रोएँगे। 'बिग बॉस 19' को अपने करियर का सबसे बड़ा पड़ाव बताते हुए, नीलम ने कहा कि इस शो ने उन्हें वह सब कुछ दिया जिसकी वह उम्मीद कर सकती थीं।

बिग बॉस 19: अभिषेक बजाज की एक्स-वाइफ पर पलटवार, 'शोहरत के भूखे लोग' धोखाधड़ी आरोपों को बताया निराधार

अभिषेक बजाज ने बिग बॉस 19 से बाहर आते ही एक्स-वाइफ आकांक्षा जिंदल के धोखेबाजी और अशनूर कौर से रिश्ते के आरोपों को सिरे से खारिज किया। अभिनेता ने इन दावों को निराधार बताते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही, जो उनके निजी जीवन पर उठे विवादों का जवाब है। वहीं, धर्मेंद्र को अस्पताल से छुट्टी मिली और रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' का ट्रेलर लॉन्च स्थगित हुआ। बिग बॉस 19 के सबसे मज़बूत दावेदारों में से एक, अभिषेक बजाज को हाल ही में घर से बाहर होना पड़ा। अभिनेता अभिषेक बजाज ने अपनी पूर्व पत्नी द्वारा उठाए गए निजी जीवन के विवादों पर खुलकर बात की। आकांक्षा जिंदल से विवाहित इस अभिनेता ने दावा किया कि अभिषेक ने उन्हें धोखा दिया, साथ ही उन्होंने घर के अंदर सह-प्रतियोगी अशनूर कौर के साथ अभिनेता के रिश्ते पर भी सवाल उठाए।

बड़ा झटका! आमिर खान ने जिसके साथ मिलकर छापे 1000 करोड़, उसके साथ बड़ी फिल्म हो गई बंद

बॉलीवुड के दो खान्स तो अपनी फिल्में लेकर आ रहे हैं, जो हैं सलमान और शाहरुख. पर इंतजार आमिर खान के अगले प्रोजेक्ट के अनाउंसमेंट का है। उनकी इस साल एक फिल्म रिलीज हो चुकी है, जिससे उन्होंने कमबैक भी किया था। 'सितारे जमीन पर' को लोगों का जबरदस्त रिस्पॉन्स और प्यार भी मिला था पर अगला प्रोजेक्ट फाइनल करने से पहले लगातार चर्चा में है। उनकी पहले ही फिल्म बंद हो चुकी है। अब इस डायरेक्टर के साथ भी बात नहीं बनी है। किस वजह से आमिर खान का अगला प्रोजेक्ट डिब्बाबंद हुआ। इस साल जहां सिर्फ एक ही खान की फिल्म आई है, तो अगले साल शाहरुख और सलमान खान आएंगे। दोनों की दो बड़ी फिल्में रिलीज होंगी, जिनपर फिलहाल काम चल रहा है. उनकी कमबैक फिल्म रही थी- 'सितारे जमीन पर'. जिसे बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था पर अब हर किसी की निगाहें अगली ही फिल्म पर है. लेकिन अब तक वो किसी भी स्क्रिप्ट को फाइनल नहीं कर पाए हैं। लगातार कोशिशों के बाद भी आमिर खान के लिए मामला बन नहीं रहा। अब जिस फिल्म से उनकी हर किसी को उम्मीद थी, वो भी बंद हो गई है. आमिर खान के लिए उनका स्पेशल डायरेक्टर ही स्क्रिप्ट लिख रहा था। जिसे पहले ठीक करके लाने को कहा था। आमिर खान की कुछ वक्त पहले ही लोकेश कनगराज के साथ सुपरहीरो फिल्म बंद हुई है। जब वो रजनीकांत की कुली में कैमियो करने के लिए माने, तो खबरें आईं कि इसके बाद दोनों की फिल्म बनेगी. पर 'कुली' को खास रिस्पॉन्स नहीं मिल पाया, जिसके बाद रास्ते अलग हो गए. लेकिन अब आमिर खान के एक न के बाद फिल्म ही बंद हो गई है।

(साभार एजेंसी)

इंग्लैंड के खिलाफ पर्थ टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया को मिली अच्छी और बुरी खबरें

एक तेज गेंदबाज फिट, तो दूसरा बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की एशेज टेस्ट सीरीज 21 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को बुधवार (12 नवंबर) को अच्छी और बुरी खबरें मिलीं।

दिग्गज तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड पहले टेस्ट में खेलने के लिए फिट हो गए हैं,लेकिन सीन एबट चोटिल होकर बाहर हो गए हैं। एबट का चोटिल होना इसलिए भी ऑस्ट्रेलिया के लिए झटका है क्योंकि कप्तान पैट कमिंस चोटिल होने के कारण पहले से ही बाहर है। शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में विक्टोरिया के खिलाफ न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलते हुए हेजलवुड और एबट को हेमस्ट्रिंग में दिक्कत हुई। दोनों को स्कैन के लिए भेजा गया। ऑस्ट्रेलिया को हेजलवुड के फिट होने की राहत भरी खबर मिली, लेकिन एबट के बाहर होने को लेकर बुरी खबर आ गई। हालांकि, एबट का पर्थ में खेलना मुश्किल था। कमिंस की जगह ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 में स्कॉट बोलैंड को मौका मिलना तय है। इसके दो अन्य तेज गेंदबाज हेजलवुड और मिचेल स्टार्क होंगे।

ब्रेंडन डोगेट के डेब्यू करने की संभावना बढ़ी

क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के अनुसार एबट के चोटिल होने से इस टेस्ट सीजन में ब्रेंडन डोगेट के डेब्यू करने की संभावना बढ़ गई है।

डोगेट पिछले 12 महीने से ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम के साथ बने हुए हैं। हैमस्ट्रिंग से उबरने के बाद उन्होंने साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए दो बार 5 विकेट लिए हैं। इस बीच कमिंस ने अपने फिटनेस पर अपडेट दिया है। उन्होंने कहा कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के नेट्स पर गेंदबाजी करके अच्छा महसूस कर रहे हैं।

वह 4 दिसंबर से गाबा टेस्ट में खेलते दिख सकते हैं।

पहले एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्क्वाड

स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डोगेट, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

इंग्लैंड का स्क्वाडः

बेन स्टोक्स (कप्तान), हैरी ब्रूक (उपकप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, बेन डकेट, विल जैक्स, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जोश टंग, मार्क वुड।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दिए संन्यास के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के सुपरस्टार और धाकड़ फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो का एक बयान चर्चा का विषय बन गया है। रोनाल्डो वर्तमान में सऊदी अरब के क्लब अल नासर का हिस्सा हैं। उन्होंने अब फुटबॉल से संन्यास लेने के संकेत दिए हैं। हालांकि, 40 साल की उम्र में आज भी रोनाल्डो की फिटनेस लाजवाब है और वह दुनिया के फैशन आइकन भी हैं।

सऊदी फोरम से वीडियो लिंक पर बात करते हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 उनका आखिरी वर्ल्ड कप होने के सवाल पर कहा, 'जी हां बिल्कुल। मैं 41 साल का हो जाऊंगा तब तक और मुझे लगता है वो सही वक्त होगा इसके (संन्यास) के लिए।' रोनाल्डो के नाम अभी तक क्लब और इंटरनेशनल मिलाकर कुल 950 से ज्यादा गोल दर्ज हैं। इसमें अब तक 143 इंटरनेशनल गोल भी शामिल हैं।

रोनाल्डो कब लेंगे संन्यास?

पिछले हफ्ते भी रोनाल्डो का एक कमेंट वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने कहा था, (यानी जल्द ही संन्यास लेंगे)। हालांकि, इस वीडियो लिंक में सऊदी फोरम से उन्होंने कहा, 'मैं विश्वास दिलाते हुए कहता हूं अगले एक और दो साल में ऐसा होगा। तब तक मैं अभी भी गेम का हिस्सा हूं।' यानी उन्होंने साफ संकेत दे दिया है कि अगले एक या दो साल में वह अपने करियर पर विराम लगा देंगे।

छठा वर्ल्ड कप खेलेंगे अगले साल!

अभी पुर्तगाल की टीम फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई है। अगर गुरुवार को आयरलैंड के खिलाफ टीम जीत जाती है तो यूएसए, कनाडा और मेक्सिको में अगले साल होने वाले फीफा वर्ल्ड कप के लिए टीम अपनी जगह पक्की कर लेगी। अभी तक उन्होंने फीफा वर्ल्ड कप नहीं जीता है। 2006 में सेमीफाइनल में फ्रांस से पुर्तगाल को हार मिली थी।

एशियाई खेलों की पदक विजेता मंजू पर लगा पांच साल के लिए प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। इंचियोन एशियाई खेल 2014 की कांस्य पदक विजेता तार गोला (हैमर थ्रो) खिलाड़ी मंजू बाला पर डोपिंग के कारण पांच साल का प्रतिबंध लगाया गया है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने यह फैसला लिया है।

नाडा की कार्रवाई

मंजू बाला का परीक्षण डिहाइड्रोक्लोरोमिथाइल-टेस्टोस्टेरोन (स्टेरॉयड) और सार्म्स एलजीडी-4033 (लिगैंड्रोल) जैसी प्रतिबंधित दवाओं के लिए पॉजिटिव आया था। नाडा ने पिछले साल सितंबर में उनके डोपिंग में असफल होने की जानकारी सार्वजनिक की थी। एडीडीपी के 15 अक्तूबर 2024 को दिए गए फैसले के अनुसार, मंजू बाला का निलंबन 10 जुलाई 2024 से प्रभावी होगा।

इन पर भी हुई कार्रवाई

एथलीट मोहन सैनी पर चार साल का प्रतिबंध (14 अक्टूबर 2025 से) लगाया। बॉडीबिल्डर गोपाल कृष्णन, अमित कुमार और राजवर्धन संजय वास्कर पर छह-छह साल का प्रतिबंध लगाया। बॉडीबिल्डर शुभम महारा को चार साल के लिए निलंबित किया गया। मुक्केबाज सुमित पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया। कैनोइस्ट नितिन वर्मा और बास्केटबॉल खिलाड़ी शिवेंद्र पांडे पर क्रमशः चार और छह साल का प्रतिबंध लगाया गया। इस बीच, डोपिंग रोधी अपील पैनल ने 2024 में धाविका हिमानी चंदेल पर लगाए गए चार साल के प्रतिबंध को भी बरकरार रखा।

गोल्फः

सदियों का सफर किया तय, ओलंपिक में वापसी के लिए करना पड़ा 112 वर्षों का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्फ उन खेलों में से एक है, जिसे अमीरों का शौक माना जाता है। भले ही इसे साल 1900 में पहली बार ओलंपिक में शामिल किया गया लेकिन इसका इतिहास काफी पुराना रहा है। माना जाता है कि आधुनिक गोल्फ की शुरुआत 15वीं शताब्दी में नीदरलैंड में हुई थी। उस दौर में इसे 'कोल्फ' और 'कोलवेन' के नाम से जाना जाता था, लेकिन 1457 में स्कॉटलैंड के राजा जेम्स द्वितीय ने इस खेल पर बैन लगा दिया, क्योंकि इससे सैन्य प्रशिक्षण में रुकावट आ रही थी। 1502 में इस बैन को हटा लिया गया।धीरे-धीरे ये खेल मशहूर होने लगा। साल 1754 में 'होम ऑफ गोल्फ' कहलाने वाले सेंट एंड्रयू शहर में गोल्फ के नियम भी बनाए गए। पहला गोल्फ संगठन भी यहीं बना। 1860 में प्रेस्टविक गोल्फ क्लब में पहली बार ओपन चैंपियनशिप का आयोजन किया गया और 19वीं सदी के अंत तक यह खेल ब्रिटेन और अमेरिका सहित दुनियाभर में फैल गया।

1900 के पेरिस ओलंपिक में पहली बार गोल्फ खेला गया। अमेरिका के चार्ल्स एडवर्ड सैंड्स ने पुरुषों के इवेंट को जीता, जबकि महिलाओं के इवेंट को मार्गरेट इवेस एबॉट ने अपने नाम किया। चार साल बाद महिलाओं की प्रतियोगिता को टीम इवेंट के रूप में बदला गया, लेकिन साल 1904 के बाद इस खेल को संगठनात्मक समस्याओं और अंतरराष्ट्रीय रुचि की कमी के कारण ओलंपिक से हटा दिया गया। इसके बाद गोल्फ को ओलंपिक में लौटने के लिए 112 वर्षों का लंबा इंतजार करना पड़ा। अक्टूबर 2009 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्यों ने 2016 रियो ओलंपिक में गोल्फ को शामिल करने के पक्ष में मतदान किया। आखिरकार, साल 2016 में इसकी ओलंपिक में वापसी हुई और तब से यह खेल ओलंपिक का हिस्सा बना हुआ है। गोल्फ कोर्स पर खेले जाने वाले इस खेल में 'क्लब' और 'बॉल' का इस्तेमाल किया जाता है। एक राउंड में आमतौर पर 18 होल होते हैं। पेशेवर प्रतियोगिताओं में 4 राउंड का खेल होता है। खिलाड़ी को अपने स्ट्रोक को होल में पहुंचाना होता है। इस दौरान उन्हें सैंड ट्रैप्स, पेड़, पानी, रफ सर्फेस और बंकर जैसी बाधाओं का सामना करना होता है। अगर गेंद पानी में चली जाए, तो खिलाड़ियों को पेनाल्टी शॉट खेलना पड़ता है। ऐसे में गोल्फर को पानी के अंदर जाकर फिर से शॉट खेलना होता है।

खिलाड़ी 'टी-शॉट' के साथ खेल की शुरुआत करता है और छोटे-छोटे होल में गेंद को पहुंचाता है। प्रत्येक होल के अलग-अलग अंक होते हैं। स्ट्रोक प्ले गोल्फ में गोल्फर के हर राउंड के 18 होल के अंकों को जोड़ा जाता है। टूर्नामेंट के अंतर में चार राउंड यानी 72 होल के अंकों को जोड़कर चैंपियन की घोषणा की जाती है।

इकलौता बल्लेबाज, जिसने भारत-साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज में छुआ 500 रन का आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट इतिहास में अब तक 44 मैच खेले गए हैं, जिसमें कई रिकॉर्ड्स टूटे और कई रिकॉर्ड्स बने। क्या आप उस इकलौते खिलाड़ी के बारे में जानते हैं, जिसने भारत-साउथ अफ्रीका के बीच एक ही टेस्ट सीरीज में 500 रन के आंकड़े को छुआ? यह एक भारतीय खिलाड़ी था। यह कारनामा रोहित शर्मा ने अक्टूबर 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई घरेलू टेस्ट सीरीज में किया था। इस पूरी सीरीज में रोहित ने तीन मुकाबलों की चार पारियों में 132.25 की औसत के साथ 529 रन बनाए। इस सीरीज में दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज

रोहित शर्मा ने चार पारियां खेलीं, जिसमें 3 शतक लगाए। इस सीरीज में रोहित शर्मा के बल्ले से 62 चौके और 19 छक्के निकले। सीरीज का पहला मैच विशाखापत्तनम में खेला गया था। पहली पारी में रोहित शर्मा ने 244 गेंदों का सामना करते हुए 6 छक्कों और 23 चौकों के साथ 176 रन बनाए। दूसरी पारी में उन्होंने 149 गेंदों में 127 रन बनाए। इस पारी में उनके बल्ले से 7 छक्के और 10 चौके निकले। भारत ने मैच 203 रन से अपने नाम किया। अगला मुकाबला पुणे में खेला गया, जिसमें भारत ने सिर्फ एक ही पारी खेली। रोहित ने इस दौरान 35 गेंदों में 1 चौके के साथ 14 रन बनाए। कप्तान विराट कोहली (254) और मयंक अग्रवाल (108) की शानदार पारियों के दम पर टीम इंडिया ने मुकाबला पारी और 137 रन से जीता था।

सीरीज का तीसरा मुकाबला रांची में खेला गया। इस मुकाबले में रोहित शर्मा ने पहली पारी में बतौर सलामी बल्लेबाज 212 रन बनाए। उन्होंने 255 गेंदों की पारी में 6 छक्के और 28 चौके लगाए। भारत ने यह इनिंग 497/9 के स्कोर पर घोषित की। मुकाबले को पारी और 202 रन से अपने नाम करते हुए टीम इंडिया ने सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

लक्ष्य सेन कुमामोतो मास्टर्स में जीते, कोकी वतानबे को सीधे सेटों में हराया

कुमामोतो (जापान),एजेंसी। भारत के लक्ष्य सेन ने बुधवार को यहां कोकी वतानबे को सीधे गेम में हराकर कुमामोतो मास्टर्स जापान बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल वर्ग के दूसरे दौर में जगह बनाई। सातवें वरीय लक्ष्य ने जापान के दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी सिर्फ 39 मिनट में 21-12 21-16 से हराया। दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य अगले दौर में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन और कनाडा के विक्टर लेई के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। भारत के किरण जॉर्ज को हालांकि मलेशिया के जिंग होंग कोक के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले में 20-22 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गड्डे की मिश्रित युगल जोड़ी ने प्रेस्ले स्मिथ और जेनी गेई की अमेरिका की जोड़ी को कड़ी चुनौती पेश की लेकिन इसके बावजूद भारतीय जोड़ी को तीन गेम में 12-21 21-19 20-22 से हार का सामना करना पड़ा।

ऋषभ पंत से कोई मुकाबला नहीं, लक्ष्य सिर्फ भारत की जीत

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले बोले ध्रुव जुरेल

नई दिल्ली, एजेंसी। युवा भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने साफ़ कहा है कि उनके और ऋषभ पंत के बीच किसी तरह की प्रतिद्वंद्विता नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले जुरेल ने यह स्पष्ट किया कि दोनों खिलाड़ियों का एकमात्र लक्ष्य भारत को जीत दिलाना है।

हाल ही में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ अपने प्रभावशाली प्रदर्शन और शतक के बाद जुरेल ने टीम में अपनी जगह मज़बूत की है। वहीं पंत, चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं, जिससे दोनों के चयन को लेकर चर्चाएं तेज़ हैं। जियोस्टार के शो 'फॉलो द ब्लूज़' में बात करते हुए ध्रुव जुरेल ने साफ़ कहा कि उनके और ऋषभ पंत के बीच कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा, 'मेरे और ऋषभ भाई के बीच कोई मुक़ाबला नहीं है। हम दोनों भारत के लिए खेल रहे हैं। जो भी खेले, लक्ष्य एक ही है - भारत को जीत दिलाना। अगर वह खेलते हैं, तो मुझे खुशी होगी। अगर मैं खेलता हूँ, तो भी खुशी होगी। अगर हम साथ खेलते हैं, तो और भी अच्छा।' जुरेल का यह बयान बताता है कि वह टीम भावना और सामूहिक सफलता को व्यक्तिगत पहचान से ज़्यादा महत्व देते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले की उम्मीदः जुरेल ने कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही टीमों के पास तेज गेंदबाजी में गहराई है। उन्होंने कहा, 'यह एक बेहद रोमांचक मुकाबला होगा। उनकी तरफ से रबाडा और मार्को जेनसन हैं, तो हमारी तरफ से बुमराह भाई और अन्य गेंदबाज़। हर तरफ़ से शानदार गेंदबाज़ी देखने को मिलेगी।' कोलकाता की पिच पर तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है, जिससे यह सीरीज बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच संतुलित टक्कर पेश करेगी।

रोमांचक मुकाबले में डी मिनौर को हराकर मुसेट्टी ने रखीं उम्मीदें बरकरार

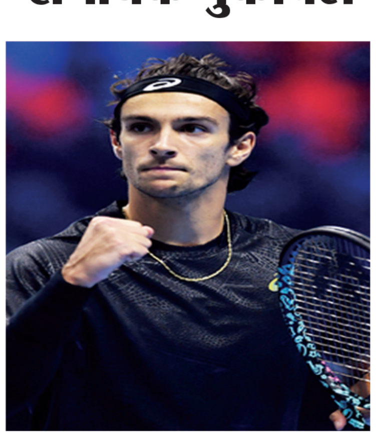

ट्यूरिन, एजेंसी। एटीपी टूर फाइनल्स में लोरेंजो मुसेट्टी ने रोमांचक मुकाबले में एलेक्स डी मिनौर को 7-5, 3-6, 7-5 से शिकस्त दी। इसी के साथ मुसेट्टी ने एटीपी टूर फाइनल्स 2025 में अपनी पहली जीत दर्ज की। यह मुकाबला 2 घंटे 47 मिनट तक चला। लोरेंजो मुसेट्टी ने पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया था, लेकिन दूसरे सेट में वह 3-6 से पिछड़ गए। इसके बाद 23 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने उस समय अपनी चमक फिर से दिखाई जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। 4-3, 30/30 के स्कोर पर 31 शॉट की शानदार रैली में हारने के बाद मुसेट्टी ने नाटकीय अंदाज में वापसी की। उन्होंने तीसरा सेट 7-5 से जीतकर अपने सीजन की सबसे बड़ी जीत में से एक हासिल की।

इसी के साथ मुसेट्टी ने जिमी कॉनर्स ग्रुप में 1-1 की बराबरी करते हुए क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को बरकरार रखा है। एटीपी टूर फाइनल्स में पहली बार प्रतिस्पर्धा करते हुए, मुसेट्टी ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के दम पर क्वालीफाई किया। वह मोंटे-कार्लो, चेंगदू और हाल ही में पिछले हफ्ते एथेंस में फाइनल में पहुंचे और इस सीजन में 45-21 का रिकॉर्ड बनाया। 2025 से पहले, इस इतालवी खिलाड़ी ने कभी भी एक साल में 40 से ज्यादा टूर-स्तरीय जीत दर्ज नहीं की थी। अब वह इस उपलब्धि को बहुत पीछे छोड़ चुके हैं। लोरेंजो मुसेट्टी गुरुवार को अपने तीसरे मैच में पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज से भिड़ेंगे।

ओलंपिक के सबसे पुराने खेलों में शामिल है साइकिलिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। साइकिल मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के लिए आवागमन का एक बेहतरीन और सुविधाजनक साधन है। ग्रामीण क्षेत्रों में साइकिल आज भी सबसे ज्यादा उपयोग में लाया जाने वाला परिवहन का साधन है। नियमित साइकिल से व्यक्ति का स्वास्थ्य भी उत्तम रहता है।

भारत सरकार भी देश में स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाने के लिए चलाए जा रहे 'फिट इंडिया कार्यक्रम' के माध्यम से साइकिलिंग को बढ़ावा दे रही है। लेकिन, क्या आपको पता है कि साइकिलिंग एक खेल भी है और विश्व के सबसे पुराने और बड़े खेल मंच में इसकी प्रतिस्पर्धा होती है। जानकारी के मुताबिक साइकिल का उदय या चलाने की शुरुआत 1816 में मध्य जर्मनी में हुई थी। पहली आधिकारिक साइकिल रेस 1868 में फ्रांस में हुई थी।

पहले ओलंपिक का आयोजन 1896 में एथेंस में हुआ था। आपको जानकर हैरानी होगी कि 1896 से ही साइकिलिंग ओलंपिक का हिस्सा रहा है। महिलाओं को ओलंपिक में साइकिलिंग प्रतिस्पर्धा में उम्मीदवारी देर से मिली। महिलाओं को पहली बार 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में जोड़ा गया था। दोनों वर्ग के लिए व्यक्तिगत टाइम ट्रायल 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पेश किया गया था। ओलंपिक में मुख्य रूप से पांच तरह की साइकिलिंग होती है :-

रोड साइकिलिंगः इसमें लंबी दूरी की दौड़ होती है। यह रोड रेस और इंडिविजुअल टाइम ट्रायल जैसी स्पर्धाओं में विभाजित है।

ट्रैक साइकिलिंगः यह ट्रैक पर आयोजित की जाती है, जिसमें स्प्रिंट, टीम परस्यूट, और ओम्नियम जैसी कई तरह की स्पर्धाएं शामिल हैं। **माउंटेन साइकिलिंगः** इस स्पर्धा में एथलीट ऑफ-रोड कोर्स पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। इसे 1996 में ओलंपिक में पेश किया गया था। **बीएमएक्स रेसिंगः** यह एक बाधा कोर्स पर आयोजित एक तेज गति की दौड़ है। इसे 2008 में ओलंपिक कार्यक्रम में जोड़ा गया था। **बीएमएक्स फ्रीस्टाइलः** यह एक नई स्पर्धा है जिसमें एथलीट करतब दिखाते हैं और इसे 2020 में ओलंपिक में शामिल किया गया था। ग्रेट ब्रिटेन के जेसन केनी के नाम ओलंपिक खेलों में साइकिलिंग में सर्वाधिक स्वर्ण पदक (7) और सर्वाधिक कुल पदक (9) जीतने का रिकॉर्ड है। वहीं फ्रांस ने साइकिलिंग में 41 स्वर्ण पदक जीते हैं, जो ओलंपिक खेलों में किसी भी देश से सर्वाधिक है। फ्रांस ने कुल 93 पदक जीते हैं। ग्रेट ब्रिटेन ने कुल 100 ओलंपिक साइकिलिंग पदक जीते हैं, जिनमें 38 स्वर्ण, 35 रजत और 27 कांस्य पदक हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने 60 पदक जीते हैं, जिनमें 17 स्वर्ण, 22 रजत और 21 कांस्य पदक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान में कालचक्र एम्पॉवरमेंट समारोह का उद्घाटन किया

» थिम्पू, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भूटान में आयोजित वैश्विक शांति प्रार्थना उत्सव के दौरान कालचक्र एम्पॉवरमेंट समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और पूर्व नरेश जिग्मे सिंगए वांगचुक भी उपस्थित थे। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, भूटान के महामहिम नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और महामहिम चतुर्थ ड्रुक ग्यालपो जिग्मे सिंगए वांगचुक के साथ कालचक्र व्हील ऑफ टाइम एम्पॉवरमेंट का उद्घाटन करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि यह समारोह जे खेनपो (भूटान के सर्वोच्च बौद्ध धर्मगुरु) की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, जिससे यह और भी विशेष बन गया। प्रधानमंत्री ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, जिसका बौद्ध समुदाय के लिए विश्वभर में अत्यंत सांस्कृतिक महत्व है।

कालचक्र एम्पॉवरमेंट वैश्विक शांति प्रार्थना उत्सव का हिस्सा है, जो भूटान में बौद्ध श्रद्धालुओं और विद्वानों को एक साथ लाया है। इससे पहले, बुधवार को मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंगए वांगचुक से मुलाकात की और कहा कि वह दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए वर्षों से उनके द्वारा किए गए व्यापक प्रयासों की सराहना करते हैं। मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, महामहिम चतुर्थ ड्रुक ग्यालपो के साथ एक शानदार बैठक हुई। भारत-भूटान संबंधों को और मजबूत करने के लिए वर्षों से उनके द्वारा किए गए व्यापक प्रयासों की सराहना की। बैठक के दौरान, उन्होंने ऊर्जा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और संपर्क में सहयोग पर चर्चा की। मोदी ने कहा, गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी परियोजना में प्रगति की सराहना की, जो हमारी एक्ट ईस्ट नीति के अनुरूप है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मोदी ने भारत-भूटान की विशेष मित्रता को और बढ़ाने में बुद्धिमानी भरे परामर्श और मार्गदर्शन के लिए महामहिम को धन्यवाद भी दिया। मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूर्व नरेश के निरंतर अच्छे स्वास्थ्य, कुशलता और दीर्घायु के लिए भारत सरकार और भारत की जनता की ओर से शुभकामनाएं दीं। हिमालई देश की दो दिवसीय यात्रा पर आए मोदी ने मंगलवार को चांगलीमेथांग स्टेडियम में भूटान के चौथे ड्रुक ग्यालपो जिग्मे सिंगए वांगचुक के 70वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित किया। मोदी ने कहा कि भारत और भूटान के बीच सदियों से गहरा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध रहा है और इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाग लेना उनकी प्रतिबद्धता थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम का बचाव किया

अमेरिका को दुनियाभर से प्रतिभाएं लानी होंगी: ट्रंप

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एच-1बी वीजा कार्यक्रम का बचाव करते हुए नजर आए और उन्होंने कहा कि अमेरिका को दुनिया भर से प्रतिभाओं को लाना होगा क्योंकि देश में कुछ खास प्रतिभाएं नहीं हैं। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज पर लॉरा इंग्राहम के साथ साक्षात्कार में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि क्या एच-1बी वीजा का मुद्दा उनके प्रशासन के लिए एक बड़ी प्राथमिकता नहीं होगा। साक्षात्कारकर्ता ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति अमेरिकी कामगारों का वेतन बढ़ाना चाहता है, तो देश में लाखों विदेशी कामगारों को नहीं आने दिया जा सकता। जवाब में ट्रंप ने कहा, मैं सहमत हूं, लेकिन आपको प्रतिभाओं को भी लाना होगा। जब इंग्राहम ने कहा कि हमारे पास बहुत प्रतिभाएं हैं , तो ट्रंप ने कहा, नहीं, आपके पास नहीं हैं। आपके पास कुछ खास प्रतिभाएं नहीं हैं। और लोगों को सीखना होगा।

राष्ट्रपति ने कहा, आप लोगों को बेरोजगारी की कतार से हटाकर यह नहीं कह सकते कि मैं तुम्हें किसी कारखाने में लगा दूंगा, हम मिसाइल बनाएंगे। उन्होंने कहा, जॉर्जिया में, उन्होंने अवैध प्रवासियों को खोजने के लिए छापे मारे। वहां दक्षिण कोरिया के लोग थे जिन्होंने जिंदगी भर बैटरी बनाई। आप जानते हैं, बैटरी बनाना बहुत जटिल है। यह कोई आसान काम नहीं है, और बहुत खतरनाक भी है। बहुत सारे विस्फोट, बहुत सारी समस्याएं। ट्रंप ने कहा, उनके पास शुरुआती दौर में बैटरी बनाने और लोगों को यह काम सिखाने के लिए लगभग 500-600 लोग थे। खैर, वे चाहते थे कि वे देश से बाहर निकल जाएं। उन्होंने कहा कि लेकिन आपको जरूरत पड़ेगी... मेरा मतलब है, मैं जानता हूं कि आप और मैं इस पर असहमत हैं। उन्होंने कहा, आप यूं ही नहीं कह सकते कि कोई देश आ रहा है, एक प्लांट बनाने के लिए 10 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने जा रहा है और उन लोगों को बेरोजगारी की कतार से हटाने जा रहा है जिन्होंने पांच साल से काम नहीं किया है, और वे मिसाइलें बनाना शुरू करने जा रहे हैं। यह इस तरह से काम नहीं करता। ट्रम्प प्रशासन ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम में दुरुपयोग की जांच के लिए व्यापक कार्रवाई शुरू की है। इस कार्यक्रम का उपयोग कंपनियां, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी कंपनियां, अमेरिका में विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए करती हैं। भारतीय पेशेवर, जिनमें प्रौद्योगिकी कर्मचारी और चिकित्सक शामिल हैं, एच-1बी वीजा धारकों के सबसे बड़े समूह में शामिल हैं। इस वर्ष सितंबर में, ट्रंप ने एच-1बी गैर-आप्रवासी वीजा कार्यक्रम में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण प्रारंभिक कदम के रूप में कुछ गैर-आप्रवासी श्रमिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध शीर्षक से एक घोषणा की थी। इस घोषणा के तहत, 21 सितंबर, 2025 के बाद दायर की गई कुछ एच-1बी याचिकाओं के साथ पात्रता की शर्त के रूप में एक लाख डॉलर का अतिरिक्त भुगतान होना आवश्यक है।

भारत ने भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के प्रति अटूट समर्थन की पुष्टि की

थिम्पू, (भाषा)। भारत ने बुधवार को भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के प्रति अपने अटूट समर्थन की पुष्टि की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंगए वांगचुक के साथ वार्ता की और वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव के तहत आयोजित कालचक्र दीक्षा समारोह में भूटानी नेतृत्व के साथ शामिल हुए। बैठक के बाद मोदी ने भारत-भूटान संबंधों को और मजबूत करने में सिंगए के योगदान की सराहना की और कहा कि चर्चा ऊर्जा, व्यापार, कनेक्टिविटी, प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर केंद्रित रही। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, ऊर्जा, व्यापार, तकनीक और कनेक्टिविटी में सहयोग पर चर्चा हुई। गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी परियोजना में प्रगति की सराहना की, जो हमारी एक्ट ईस्ट नीति के अनुरूप है। सुबह मोदी ने वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव में कालचक्र व्हील ऑफ टाइम एम्पॉवरमेंट का उद्घाटन किया, जिसमें भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और सिंगए सहित शीर्ष भूटानी नेतृत्व ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, जिसका बौद्ध समुदाय के लिए विश्व भर में अत्यंत सांस्कृतिक महत्व है। कालचक्र एम्पॉवरमेंट वैश्विक शांति प्रार्थना उत्सव का हिस्सा है, जो भूटान में बौद्ध श्रद्धालुओं और विद्वानों को एक साथ लाया है। नई दिल्ली रवाना होने से पहले मोदी ने कहा कि ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में उनकी यात्रा के परिणाम हमारी द्विपक्षीय साझेदारी को गति प्रदान करेंगे। भूटान नरेश प्रधानमंत्री मोदी को हवाई अड्डे पर विदा करने आए। मोदी की दो दिवसीय भूटान यात्रा समाप्त होने पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आर्थिक प्रोत्साहन कार्यक्रम सहित भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना (2024-2029) के प्रति भारत के अटूट समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने पड़ोसी देश को उसकी प्रमुख विकास प्राथमिकताओं को प्राप्त करने और सभी क्षेत्रों में सतत विकास को आगे बढ़ाने में सक्रिय रूप से सहायता करने की नई दिल्ली की प्रतिबद्धता पर बल दिया।

म्यामां सेना को रूस और चीन से हेलीकॉप्टर और विमान मिले

बैंकाक, (भाषा)। म्यामां ने कहा है कि उसने अपनी वायुसेना में रूसी हेलीकॉप्टरों और चीनी विमानों को शामिल किया है। म्यामां में खूनी गृहयुद्ध की समाप्ति को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद दोनों देश अब भी सैन्य सरकार को उपकरणों की आपूर्ति कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों ने म्यामां पर प्रतिबंध लगा रखे हैं, जिनमें हथियारों की बिक्री पर रोक भी शामिल है। हालांकि रूस और चीन लगातार म्यामां की सेना को करोड़ों डॉलर के उपकरण उपलब्ध करा रहे हैं। सेना द्वारा उपलब्ध कराई गई तस्वीरों से पता चलता है कि उन्हें तीन रूसी एमआई-38टी हेलीकॉप्टर और दो चीनी वाई-8 विमान प्राप्त हुए हैं, जिनके बारे में विशेषज्ञों ने कहा कि इनका उपयोग संभवत पहाड़ी क्षेत्रों में जंग के लिए सैनिकों को लाने के लिए किया जाएगा। सेना ने राजधानी ने पी ता में सात नवंबर को विमान को सेना में शामिल करने के अवसर पर जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि यह परिवहन विमान म्यामां की हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर सेना को मजबूती प्रदान करेगा। म्यामां की सत्तारूढ़ सैन्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने एक बयान में कहा, वर्तमान अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और आंतरिक स्थिति स्पष्ट रूप से सभी प्रकार के विमानों की आवश्यक भूमिका की ओर इशारा करती है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में ग्रामीण बैंक की शाखा में शरारती तत्वों ने आग लगाई

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस द्वारा स्थापित ग्रामीण बैंक की एक स्थानीय शाखा में बुधवार को अज्ञात लोगों ने आग लगा दी। यह घटना राष्ट्रीय राजधानी में बैंक के मुख्यालय के बाहर हुए देसी बम विस्फोट के दो दिन बाद हुई है। बैंक अधिकारियों के अनुसार, ब्राह्मणबाड़िया के बिजॉयनगर उपजिला में बैंक की चंदूरा शाखा के भवन में लगी आग में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। शाखा प्रबंधक कलीम उद्दीन ने संवाददाताओं को बताया, यह घटना रात करीब दो बजे हुई जब कुछ शरारती तत्वों ने बाहर से पेट्रोल डाला और इमारत में आग लगा दी। उन्होंने बताया कि गार्ड ने आग देखी और तुरंत अधिकारियों को सूचित किया। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों ने ढाका में चौबीसों घंटे सुरक्षा कड़ी करने का आदेश दिया है, जहां हाल के दिनों में कई देशी बम विस्फोट और एक दर्जन खाली बसों में आग लगाए जाने की घटनाएं हुई हैं।

यह आदेश पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अनुपस्थिति में उनके खिलाफ चलाए जा रहे मुकदमे के मामले में संभावित फैसले से पहले दिया गया है। हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग ने सोशल मीडिया पर 13 नवंबर को ढाका लॉकडाउन का आह्वान किया है, जब बांग्लादेश का अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बांग्लादेश) हसीना के खिलाफ फैसला सुनाने की तारीख की घोषणा करने वाला है। अभियोजन पक्ष हसीना के लिए मौत की सजा की मांग कर रहा है। सोमवार को ढाका में कई जगहों पर देशी बम विस्फोट हुए, जिसके बाद अधिकारियों को सुरक्षा बढ़ानी पड़ी। ग्रामीण बैंक के मुख्यालय के बाहर तथा मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस के सहयोगी के स्वामित्व वाले एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान के बाहर भी विस्फोट हुए थे। वर्तमान में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार यूनुस ने 1983 में ग्रामीण बैंक की स्थापना की थी और गरीबी उन्मूलन तथा गरीब महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके कार्य के लिए 2006 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिला था।

इराक में प्रमुख राजनीतिक समूह ने संसदीय चुनाव का बहिष्कार किया

» बगदाद, भाषा।

इराक के नागरिकों ने मंगलवार को कड़ी सुरक्षा और एक प्रमुख राजनीतिक गुट के बहिष्कार के बीच संसदीय चुनाव में मतदान किया। उत्तरी शहर किरकुक में पार्टी समर्थकों के बीच रात में हुई झड़प की ही एकमात्र तत्काल खबर प्राप्त हुई, जिसमें दो पुलिस अधिकारी मारे गए। पत्रकारों ने कई मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की उपस्थिति कम होने की बात कही। चुनाव अधिकारियों ने मतदान समाप्त होने के बाद पंजीकृत मतदाताओं में से 55 प्रतिशत के मतदान करने की घोषणा की। हालांकि, 3.2 करोड़ पात्र मतदाताओं में से कई ने पंजीकरण नहीं कराया और केवल 2.14 करोड़ ने ही चुनाव से पहले अपनी जानकारी अद्यतन की और मतदाता पहचान पत्र प्राप्त किए। ये आंकड़ा, 2021 के पिछले संसदीय चुनाव में 2.4 करोड़ की तुलना में कम है।

यह चुनाव पिछले दो वर्षों में क्षेत्र में हुए बड़े बदलावों के बाद हुआ, जिनमें गाजा व लेबनान में युद्ध, इजराइल व ईरान के बीच संक्षिप्त युद्ध और पिछले दिसंबर में सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद का तख्तापलट शामिल है। प्रभावशाली शिया धर्मगुरु मुक्तदा अल-सदर के नेतृत्व वाले लोकप्रिय सदर आंदोलन ने चुनावों का बहिष्कार किया। अल-सदर के गुट ने 2021 के चुनाव में सबसे ज्यादा सीट पर जीत हासिल की थीं लेकिन प्रतिद्वंद्वी शिया दलों के साथ गतिरोध के बीच सरकार बनाने पर बातचीत विफल होने के बाद चुनाव से हट गया। तभी से अल-सदर का गुट राजनीतिक व्यवस्था का बहिष्कार कर रहा है। बगदाद के बाहरी इलाके में सदर आंदोलन का गढ़ कहे जाने वाले सदर शहर के प्रवेश द्वार पर राजधानी के अन्य हिस्सों की तुलना में सुरक्षा बेहद कड़ी थी। इराकी विशेष बल और संघीय पुलिस की तैनाती की गई थी और मुख्य सड़कों पर बख्तरबंद गाड़ियां और हमवी तैनात हैं।

तुर्किए सेना का विमान जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त, सभी 20 कर्मियों की मौत

» अंकारा, भाषा।

तुर्किए के रक्षा मंत्री ने बुधवार को घोषणा की कि जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त हुए एक सैन्य मालवाहक विमान में सवार सभी 20 कर्मियों की मौत हो गई।

यह सी-130 विमान अजरबैजान से उड़ान भरने के बाद तुर्किए लौट रहा था जब मंगलवार को यह जॉर्जिया के सिघनागी नगरपालिका क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जो अजरबैजान की सीमा के पास है। रक्षा मंत्री यासर गुलर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारे वीर साथी 11 नवंबर 2025 को शहीद हो गए, जब हमारा सी-130 सैन्य मालवाहक विमान जॉर्जिया-अजरबैजान सीमा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान अजरबैजान से हमारे देश लौट रहा है।

जी7 देशों के शीर्ष राजनयिक ट्रंप के साथ व्यापार को लेकर तनाव के बीच कनाडा में जुट रहे

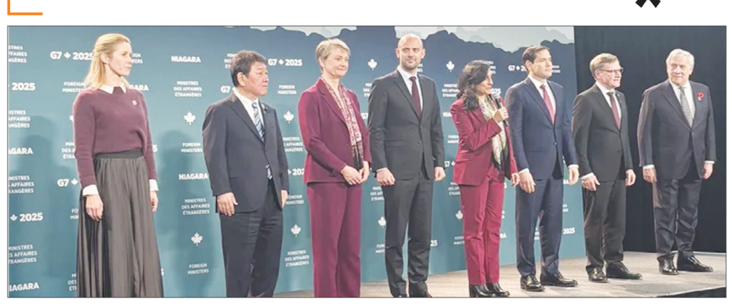

» ओंटारियो, भाषा।

सात औद्योगिक लोकतंत्रों के समूह (जी7) के शीर्ष राजनयिक ऐसे समय में दक्षिणी ओंटारियो में एकजुट हो रहे हैं जब अमेरिका और कनाडा जैसे उसके पारंपरिक सहयोगी देशों के बीच रक्षा खर्च, व्यापार और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा संघर्षविराम योजना तथा रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने के प्रयासों को लेकर तनाव बढ़ गया है। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने कहा, व्यापार से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद यह संबंध विभिन्न मुद्दों पर जारी रहना चाहिए।

वह मंगलवार और बुधवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली तथा जापान के अपने समकक्षों की मेजबानी करने की तैयारी कर रही हैं। आनंद ने ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, भारत, सऊदी अरब, मैक्सिको, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और यूक्रेन के विदेश मंत्रियों को भी आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि मंगलवार रात की चर्चाओं का प्रमुख मुद्दा पश्चिम एशिया में दीर्घकालिक शांति और स्थिरता को आगे बढ़ाना होगा। आनंद ने कहा, शांति योजना को बनाए रखना अनिवार्य है। राजनयिक बुधवार को यूक्रेन के विदेश मंत्री से मिलेंगे। ब्रिटेन ने घोषणा की है कि वह यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को फिर से खड़ा करने के लिए 1.7 करोड़ डॉलर की सहायता देगा। यह धनराशि बिजली, हीटिंग और पानी की आपूर्ति की मरम्मत और मानवीय सहायता के लिए खर्च की जाएगी। कनाडा इस वर्ष जी7 की मेजबानी अमेरिका के साथ तनावपूर्ण रिश्तों के बीच कर रहा है। ट्रंप की ओर से कनाडाई आयात पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) के कारण दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। लेकिन अब पूरा जी7 समूह ट्रंप की व्यापार नीतियों और वैश्विक संघर्षों को रोकने के प्रस्तावों को लेकर अस्थिरता का सामना कर रहा है। मुख्य विवाद का विषय रक्षा खर्च है। जापान को छोड़कर सभी जी7 देश उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य हैं और ट्रंप ने गठबंधन देशों से अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का पांच प्रतिशत ही रक्षा पर खर्च करने का अग्रह किया है। कुछ देशों ने इस पर सहमति दे दी है लेकिन कनाडा और इटली अब भी इस लक्ष्य से दूर हैं।

जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई

ओटावा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नियाग्रा में जी-7 के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाकात की और द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने की आशा जताई। जयशंकर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी के लिए आनंद को बधाई दी और नए रोडमैप 2025 के कार्यान्वयन में प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा, हम अपनी द्विपक्षीय साझेदारी और मजबूत होने की आशा करते हैं। आनंद ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों पर सहयोग के बारे में चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा, जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री की भागीदारी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने के लिए अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ काम करने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कनाडा ने जी-7 बैठक के लिए जिन साझेदार देशों को आमंत्रित किया है, उनमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, भारत, सऊदी अरब, मेक्सिको, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और यूक्रेन शामिल हैं। कनाडा ने पिछले सप्ताह कहा था कि जी-7 सम्मेलन में समुद्री सुरक्षा और समृद्धि, आर्थिक लचीलापन, ऊर्जा सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों सहित वैश्विक आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा होगी।

भारत, बोत्सवाना ने चीता स्थानांतरण समझौते की घोषणा की राष्ट्रपति मुर्मू ने अच्छी देखभाल की बात कही

कुनो में अब तक 26 शावक पैदा हो चुके

» गबोरेन (बोत्सवाना), भाषा।

भारत और बोत्सवाना ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की राजकीय यात्रा के दौरान अफ्रीकी राष्ट्र से आठ चीतों को स्थानांतरित करने की योजना की औपचारिक घोषणा की। मुर्मू ने बोत्सवाना के राष्ट्रपति ड्यूमा गिदोन बोको और दुनिया के सबसे बड़े हीरा उत्पादक देशों में से एक के लोगों को इस सद्भावना के लिए धन्यवाद देते हुए आश्वासन दिया, हम उनकी (चीतों की) अच्छी देखभाल करेंगे। बोको ने कहा कि उनका देश बृहस्पतिवार को प्रतीकात्मक रूप से चीतों को महामहिम (मुर्मू) को सौंपेगा। दोनों राष्ट्राध्यक्ष एक कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें पकड़े गए आठ चीतों को मोकोलोडी प्राकृतिक अभयारण्य में एक पृथकवास परिसर में छोड़ा जाएगा, जो इन्हें प्रोजेक्ट चीता के भाग के रूप में और वन्यजीव संरक्षण के लिए एक पारस्परिक पहल के तहत बोत्सवाना द्वारा भारत को प्रतीकात्मक रूप से सौंपे जाने का साक्ष्य होगा।

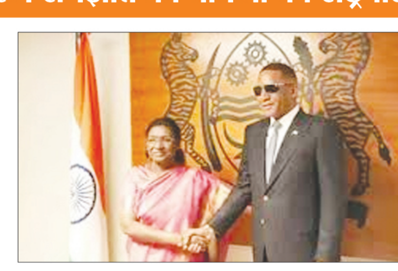

कालाहारी रेगिस्तान स्थित घांजी शहर से इन चीतों को गबोरोन से 10 किलोमीटर दक्षिण में स्थित प्राकृतिक अभयारण्य में लाया गया है। बोत्सवाना चारों तरफ से जमीन से घिरा राष्ट्र है, जिसका 70 प्रतिशत भूभाग कालाहारी रेगिस्तान के दायरे में आता है। मुर्मू ने कहा, मुझे यह जानकर विशेष खुशी हो रही है कि बोत्सवाना, भारत सरकार की एक अनूठी वन्यजीव संरक्षण पहल प्रोजेक्ट चीता के तहत भारत में चीतों को फिर से भेजने जा रहा है। उन्होंने यहां राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा, मैं राष्ट्रपति और बोत्सवाना के लोगों की आभारी हूं कि वे अपने चीते भारत भेज रहे हैं। हम उनकी अच्छी देखभाल करेंगे। मुर्मू मंगलवार को तीन-दिवसीय राजकीय यात्रा पर बोत्सवाना पहुंचीं। दक्षिणी अफ्रीका स्थित इस देश की किसी भारतीय राष्ट्रपति की यह पहली यात्रा है। बोत्सवाना के राष्ट्रपति बोको ने कहा कि जैव विविधता सहयोग के एक भाग के रूप में, उपहारस्वरूप चीते सौंपने का कदम भारत में इनकी आबादी के पुनरुत्थान में सहायता करेगा। दोनों राष्ट्र प्रमुखों ने दोनों पक्षों के बीच हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद यह टिप्पणी की। सत्रह सितंबर, 2022 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नामीबिया से लाए गए आठ चीतों को मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान के एक विशेष बाड़े में छोड़ा था, जो एक बड़ी जंगली मांसाहारी प्रजाति के विश्व के पहले अंतरमहाद्वीपीय स्थानांतरण को चिह्नित करता है। बाद में, भारत ने फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते और मंगाए थे। इस महत्वाकांक्षी पुनरुद्धार कार्यक्रम के तीन साल पूरे होने पर, देश में अब 27 चीते हैं, जिनमें से 16 भारतीय धरती पर जन्मे हैं। इनमें से 24 कुनो में और तीन गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य (जीएसडब्ल्यूएस) में हैं, जो मध्यप्रदेश के मंदसौर और नीमच जिलों की सीमा पर स्थित है। परियोजना शुरू होने के बाद से अब तक उन्नीस चीते- नौ आयातित वयस्क और भारत में जन्मे 10 शावक- विभिन्न कारणों से मर चुके हैं, जबकि कुनो में अब तक 26 शावक पैदा हो चुके हैं। अफ्रीका से 20 चीते आयात करने के बाद, भारत में वर्तमान में शुरुआती संख्या की तुलना में सात चीतों की वृद्धि हुई है।

संरा प्रमुख गुतारेस ने दिल्ली में हुए कार विस्फोट में लोगों की मौत पर दुख जताया

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने नई दिल्ली में लाल किले के पास कार विस्फोट में हुई मौतों पर दुख व्यक्त किया और इस घटना की पूरी तरह से जांच की आवश्यकता पर जोर दिया। महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने मंगलवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारत में जो कुछ हुआ है, उसे लेकर हम वहां की सरकार और लोगों के प्रति भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और इसकी पूरी तरह से जांच की जानी चाहिए। हक से इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती बम विस्फोट और नई दिल्ली में हुए कार धमाके दोनों के बारे में पूछा गया था। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हुए हमले पर विस्तृत प्रतिक्रिया देते हुए हक ने कहा, मैं यह कह सकता हूं कि महासचिव आत्मघाती हमले की खबर से बहुत दुखी हैं। वह पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उन्होंने कहा, महासचिव हिंसा और आतंकवाद की सभी घटनाओं की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। वह दोहराते हैं कि आतंकवाद के सभी दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और इसके लिए पूरी जांच की जानी चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को एक आत्मघाती हमलावर ने इस्लामाबाद में एक अदालत के बाहर पुलिस वाहन के पास खुद को विस्फोट से उड़ा लिया, जिसमें कम से कम 12 लोग मारे गए और 36 अन्य घायल हो गए। हमले के कुछ घंटों बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आरोप लगाया कि इस हमले में भारत के समर्थन से सक्रिय कुछ समूह शामिल हैं।

कुछ रूढ़िवादी मौलवियों और कट्टरपंथियों की मान्यता के अनुसार, एक महिला का स्कूटर या मोटरसाइकिल चलाना मना है

तेहरान की सड़कों पर मोटरसाइकिल चलाती महिलाएं ईरान के सामाजिक बदलाव का नवीनतम संकेत

» तेहरान, भाषा।

जब मेरात बेहनाम ने पहली बार इतना साहस जुटाया कि वह अपनी पीली स्कूटर पर ईरान की राजधानी की जाम भरी सड़कों से होते हुए अपनी कॉफी शॉप तक जाए तो यातायात उनकी मुख्य चिंता नहीं थी। उन्होंने खुद को लोगों की घूरती निगाहों और फिकरेबाज़ी के लिए पहले से ही तैयार कर लिया था। इससे भी ज्यादा परेशान करने वाली बात ए थी कि तेहरान में मोटरसाइकिल चलाने वाली महिला होने के कारण पुलिस द्वारा उन्हें रोका जा सकता था। ईरान में कट्टरपंथी और रूढ़िवादी मौलवी लंबे समय से महिलाओं के इस कदर घूमने के खिलाफ रहे हैं।

लेकिन 38 वर्षीय बेहनाम ने घर से निकलने पर पाया कि उन्हें सड़क पर व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है - और यह ईरान में सामाजिक अपेक्षाओं के बारे में महिलाओं के व्यापक पुनर्विचार का हिस्सा है। जून में 12 दिनों के ईरान-इजराइल युद्ध के बाद ईरान द्वारा बुद्धिजीवियों पर की जा रही कार्वाई के तहत कट्टरपंथी राजनेता हिजाब या हेडस्कार्फ पर कानून लागू करने की मांग कर रहे हैं - लेकिन यह एक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। बेहनाम ने हाल ही में अपने कैफे तक पहुंचने के बाद एसोसिएटेड प्रेस को बताया, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं। शुरुआत में, मैं काफी तनाव में थी, लेकिन धीरे-धीरे लोगों के व्यवहार और उनकी प्रतिक्रियाओं ने मुझे बहुत प्रोत्साहित किया। बेहनाम ने कहा कि पहली बार, एक पुलिस अधिकारी ने - दरअसल, एक ट्रैफिक अधिकारी ने - मुझे प्रोत्साहित किया जिससे

मैंने सुरक्षित महसूस किया। यहां तक कि जब उन्होंने मुझे चेतावनियां भी दीं, तो वे तकनीकी चेतावनियां थीं - जैसे स्कूटर कहां पार्क करना है, कुछ चीजें नहीं करनी हैं या हमेशा हेलमेट पहनना है। पहले दो चीज़ों के कारण महिलाओं को मोटरसाइकिल या स्कूटर चलाने से रोका जाता था। पहली बात, ईरान की फ़ारसी भाषा में पुलिस के नियमों में साफ़ तौर पर सिर्फ़ मर्द यानी पुरुषों को ही मोटरसाइकिल लाइसेंस देने का जिक्र है। फ़ारसी में यह एक बहुत ही लैंगिकता-विशिष्ट शब्दावली है, जो व्याकरण की दृष्टि से एक लैंगिक-तटस्थ भाषा है। तेहरान के यातायात पुलिस प्रमुख जनरल अबुलफजल मौसावीपुर ने सितंबर में अर्ध-सरकारी आईएसएनए समाचार एजेंसी द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा, यह मुद्दा उल्लंघन नहीं बल्कि अपराध है और मेरे सहकर्मी इन व्यक्तियों से निपटेंगे, क्योंकि इनमें से किसी भी महिला के पास वर्तमान में ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है और हम कानून के खिलाफ काम नहीं कर सकते। कुछ रूढ़िवादी मौलवियों और कट्टरपंथियों की मान्यता के अनुसार, एक महिला का स्कूटर या मोटरसाइकिल चलाना तर्बुज है, अर्थात अपनी सुंदरता का अत्यधिक प्रदर्शन करना, जो इस्लाम में निषिद्ध है। लेकिन जब से महिलाओं ने हिजाब पहनना छोड़ना शुरू किया है, तब से ज़्यादा महिलाएं भी जोखिम उठाकर तेहरान में अपनी मोटरसाइकिलों से घूमने लगी हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,